的原则大的的行政可以使用这些特別使到这种影響的 क बहुत्करों का को बीति मेर के बिनेड पर्निष्टि विके 地方域12代的支持数据的空间与开发的1年上的1分域178域2 所被对于同年 (特別)一种等 Valid 等所 (中等時代的東海市)等中等等人 時程等(明)建設。同時间等自己等等可多行政等等要任何數据等以 िकट्याव 'योगीया वर्गा नेवा करते के वित्र सहस्र है । वर्गा करते के 国于Z面简单C可能可参考的CSE。国际扩创了国内中外与参加和 門的計算(在中海等等等例),由于特別的政治的管理的目的 क्रार्ट्सिया में अभीन कार उद्दर स्वतिका जाहा सर्वे हैं सिकान किर्मित रिटारे ए देव रिटारा हिंगान विकास किराने विद्वार स अविश्वी अपने ने स्थानिया अपने बार्य जान कर्यामा विश्व क्षेत्र स्थान । पर्या भावने करानि के छाने ने उन्नि स्नाबि प्रवित्र की वि कियोगित रिंट कार जार जार देश कार्य करिया िक विश्व देव कि होता है है। से श्राप्त के लिए कि श्राप्त के की है कि 京的清晰的 有一种 法国际 计图片 计通过 计图片 有一种 医 मिला स्थान के अधिक स्थान । स्थान भागाताल के विदेशाणा मध्यक्षा करते हैं है है जाति के मध्य 是可可的的最多可能性 的复数 网络拉斯斯 医神经神经病 医阿斯特斯氏病 医阿斯特氏病 ज्याना**त्रं राजरक्त कार्यः** व्याक्ति वास्तित्रं कार्यकार रशेना **国籍的报告的证明,因为自己的自己的自己的自己的证明的证明** म न निवास में बिर्ग के के इस्प्या के की कि के निवास का अपन रिकालीक्ष्म प्रेड छेप्किया रेक्टि व्यवश्वात गांच करि मार्थक्षिण्ड-अर्थद्रित्तवाष्ट्राचिक् विश्वत जिन्नार्थक्षेत्र स् त्याव्य

南部的對於中國中國自由國際共產黨的中國中國 們的得朝可經濟部門傳播的其實物的主情的 的可以在这个多种的人,但是有一种,他们 中華中國的 中国的中国的 [1] (中国中国的中国的 [1] (中国的国际中国的 वेश माना किया होती है। यह इ. एवंदिन विकास देवाल में 图 化克拉克 医甲基甲状腺 医乳腺 医乳腺 医乳腺 医乳腺 मा केला के ति विकास के ति । पूर्व के दिनाम हा मा प्रमान । एक व्यक्ति ए हिन ये जा हा स्वार्थ । यह स्वार्थ । यह स्वार्थ । यह स्व क्षित्रम हो। हिल्ली एक स्थान । जन्म हे कुच लई हे महिन्द्री अपनि मि ब्राम्य के स्थाप के ब्राम्य के ब्राम्य कर कर है। इस इस इस के ब्राह्म के ब्राह्म के ब्राह्म के ब्राह्म के ब्राह्म निर्मा के किया विशिक्षण व ना हिन्दु जाता नि जाता है। विश्व करिया है 地域等 植种物的形态 斯勒克特 的一种 自由记录的 美国斯拉克美国 的影響 到1月的前部,所有的一种,但是一种, 學可以是是自然的學術的學術學的學術學

ा विश्व करणां विश्व विश् 图面对约17年以中共为数别将可谓中国中国的 मनाविद्या के स्वत्य विका विभाव के विकास विकास विकास वर्गित वद्गरतिष्यम स्रीति वार्णाचि स्वयमे आकार्यस्था स्थान 德或物質海洋的影響的影響的影響的影響的影響 चीए से जी की रेप्ने कि में भी किया है। जिस में मिल असे जी हा है से केंद्रिए जिंदन कि ते कर इस्क्रिका विशिष्ट नार्क नार्कि स्टूट रेगेटवयान के एक एक ही मामस्य निव ब्रेट्स विक्रिया है। हिन्सी विने छ। के के 'रम्ब्या कि स्वाह क्रिकेटिन के कि जिल्ला हुने के करने की शासिक जिल्ला शिक्षिका विभिन्न मित्र के बचन का किया गरिन गरिन मित्र विभिन्न जिन विश्व किया श्री बारता क्लेचा निकल से दन मा लगा 到地區等海河區域 南部江南州南部河南南部南部河南南部 中的實際。同时和國际代表的關係,但因此是一個國際的學術學。例如 विर्वेश रेश्नेम मिथियार विभा होते। विक्रिक्त में निर्वेश को निर्वेश बिनिक्र व कार्र मार्च कि दिनिक्ष के देवें दिनों बिनिक्र विक्र हिन के का मार्थे दर्गा प्रति भी में किये नाम मिन के महिन किया गर्सके बर एक हे कोता । विषय विस्तित वर्ष निष्क विद्यानी 而最高可以 经单位的股份 经产品的 化对对对 有性的医 化对方法 网络西 केल्यात्र क्रिकेट क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् क्रमा भवा पान हो । इस्ताहमा उन् का दिशे हे हर अस् । म्रह्मच । प्रस्क त्यारम नामक निष्य किन त्यानक राज्य । होत्नों उन्नेका स्थापना नाम् वेका कर्तारित होता। जनका हेन अधीतः व नेपाक परिचान भवन का विराजनका विराज्य पराव राज राज वि

विक्रिया होते लाहिन कार्का के लिएनक व नाका जाते 市民有多型扩展,现代中,但对自己的一种对象。 的解釋中華可支援時間可用,因为中心的可能與對極關於阿爾巴斯特 केल एक वर्ष बेर्गाक देवन क्षाक देवना व सहिए। ब्रामित क्या है : विश्वास्थान क्या एता एते ।। भी अस्मित्य एते विद्यान्य लहे के स्था हा स्टब्स **进行。但1030年中代的时代,加州中国的时间,阿姆利亚的首都** ा विश्व के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्थ के मार्य के म

引起 经政治的现在分词 医多洲皮科 医多种性病的 医外侧 न आहेका मानियाओं विश्व तरहा एजबेड ब्यजीत मिन क्या है प्रकारिक विकास के मिल्ला के स्थाप के मिल्ला के त्या जीहिना विशि क हुए क्या स्त्रिक्ति । अरुवार शुन्त मिल मिलि जिल्ला है है । विश्व मिलि स्थान के स्था ध्य क्ष्मात वादाम प्रवास मात्रोगसका देशार्गिन्द हरू। ट्यारक् देशार्थ व्यक्ति (त्रवादि बार्मान विश्वादायमे यह स्वत्र दे स्वत्र वा क्षेत्र स्व क जिल्हर का की शतका निज्या निवास विकास महाना हता है। मुख्य के विश्वार देश विशेष के कर जिले के विशेष पर विश्व है। है। है। किताने देव जिने देव सामा का किन्छ समक ब्राधिक है।। ्यानात्मा स्वित्वा स्विम का इत्नाद्ध अर वन्द्रन्थाय न्या प्रश्चिम स्व रक्त ए एक व नि का निक का निक का निकार अधिक है। अधिक अधिक क िवन अकारशास्त्र क्या है कारिका (नाइक है) के छात्वाती शहर वृक्षि भक्राहेल्य्य के बिम् एउंच वा क्रिके कार्य वेशक्ष किया मध्यक्ष्य कार्या वाजिए स्मार्ट्स कार्या त्यार्ट्ड व्यम व्यक्त व्यक्ति व्यम 京年 秋日本 李门等门区军队对西共国(第二),阿门等对门区积区的15亩,对西 विशे उत्रहेत । महत्व नामकहा सा स्वित्सका हाथि तह स्व ह्यान ल क्यान का इसा अध्याप साम प्रांच प्रधान प्रधान समान । का अन्य विकास श्रास्त्र का का में अब में जिस स्व किया है। माने विश्व । का का विश्व विश्व के विश्व कारिति रागा बाल अपार्ट राज्ये महिरतः।। दिन ग्रह आहिए बार्ट क्षित्रं क विद्या अस्य त्याकृषक स्व । यह हा व क्षित्रा में स्थान ल्क्से आधि जिन्दित कार्य कार्य करने कि हा विश्वापत डिली चेरवेकी क्षेत्रहरूपा कर गाउँ (रच्छित्रकेट लाख के**रव**े. क

他了中间,并不自然体的创新,除了他们的连续。自己是是这种知识的主义 सांभाक कार्ने विभान के किए ।। वक्तिक विभान के विभान के ·神·世·地方與於中·中國經濟所有可以通過學院的學院內學院內學和 क्षा विकास स्थानिक स्थ को मान्यां ब्रह्मा का १६६ पति विद्याद्वार को विद्यात को निवास क्षाप्त विद्यात के विद्यात की विद्यात क्षेत्रिक्ष का विस्त का है कुद्देश ए जिल्लात प्रशास हर कर के क्या आधि नीतंत्र प्रत्ये प्रदेश प्रदेश । नृषेकानी अकत्र स्टरत-रेक्नाम कि कार र हामा जि शासिकायायम् वतं वर्गत्वानिसम्बर्गस्य म्यामध्यक्रिकाराक्षणा चार्र क्या करन अ काली हरना अस्टन यह । यह बहा विस्टन प्रकृतिक क्रि उन्नामिक है। भावति मा दिना कुन्ति है। कि एक नाम । वेल्का का (सक् मार्थ हाथ। विशेष्ण गिर्वाण वाहक मि सामि। सहस्रा का कारसन्ति। वर्षे कार्य काला हेस्ति संस्थिति विशासकारण वसम्बित्रहर्माण्यान्यस्य चंतरणस्यिक्षक्रियान्यस्थित्। ক্ষেকেলে ক্ষরিয়াল বারে লাক্ষরকালে ভারিন ভেরম্ শ্ৰদ্ধনান বিভাৱ কৰা কৰা কৰিব বিশ্বাস গালেনাকে কা বিশ্বাস কৰে। र्वत्रका शाम् भाषाकाकार्वेकाणाः कवित्रण अभिन भागमा शाकाशान्त्र क करिएल महासाजिति स्करशक्तिकार काश्राह सम्बद्धिया वि करवार वर्णनिक माधा प्राकृ के कि नगक किए मात । या सह स्विति অস ব্যাগতে ভোষায়াখ্যত্ত্বৰ হিছা কুসল ভাচৰ ক্ৰিড়া स्मान वाहरमानुस्त्रे अस्मिक्षिकानानुस्कृतिका बिला अने

化自然性 的现在分词 医克克氏虫 医胆囊性 医动物性神经病 रिवास को विभाग अधिन के चुनिया के विभाग निवादि केरियो रेगा श्रमान करिय क्या गर्मा विश्व विश्वान कर निक्ष भारती विश्व विश्व कर हिन्द मन इस्तर की केश का निर्धा । तर व र्वितिकारकारेलाकात्वानः वाहराजाताता कृतः पार्काति वरवा । या विमेरि र मार्याचा अलाहे। व क्रिया प्राप्तां प्राप्तां का बार्यां के स्वार्थ है। व स् व्यक्तिनम् अपितान्यिति स्त्राप्ति । वृद्धिः स्त्राप्ति । वृद्धिः स्त्राप्ति । वृद्धिः स्त्राप्ति । वृद्धिः क्षिकिरिधात काकाव विकास १८मारम प्राप्तान करिन्द्रकोत 海域的政府还可以通過中國中華和西哥(阿拉里的)。 निर्देश होती है अञ्चलित के त्याचिता के के त्याचित किया का वा जिल्ह नक्षान स्वतीपुर सामग्री स्थिति द्वार छ। तथ्यति के सुन्दी प्रार्कत क्ष स्मित्रका क्षेत्र काम्राह्म समारन्त्रीय विद्या अहेगार साविद्या व्याप विकास में अध्यक्त हैं। स्वापित के किया के साम कराय **这种 电影响 医乳腺 医乳腺性 医阴道性 医神经性 医神经性 医神经性 医神经性 医神经性** প**াৰ্**টাৰ মন্ত্ৰীনিকান্ত্ৰী জিলা কলেবলা বলে ভলিদাৰ জিল্ডাইটা ल्हार्क्ट स्वता मा, हे दि स्वीत्र मुख्य स्वित मा, व । क्वित स्वाधी स्वाधी 阿里斯斯特 医克克斯氏 医阿里克斯氏 医阿里克氏 医阿里克氏 医阿里克氏征 माहेशाः । अस्य शास्त्राहरमञ्जारकं नाई नि निर्मित्राकन्त्राह क्षिता कर्षेत्र १८३व । वस्य स्थाना का जन्म अवस्था स्थाना वस्त्र निया शा 可用的 紅色子科學科 地名阿姆纳纳 医阿克里氏 医阿克里氏管 िविद्यार्व अर्जान में का का प्राप्त के लिए के लिए ने विदेश एक अभिक्षं क्रिकं पर क्या मालिया क्रिकेट सर्वा क्रिकेट है। व का नाम र व करियों के तुम्र से लिए ने हा निर्माण है।

門等。中的軍作用的主義,因此,但即使自己的主義,可以使用,但是是主義的 ज़ासकाः कंतरक मार्रक मार्रक मार्रक (स्थान) । हिल्ला हर्ने **则对中国社事为的证明。但对对于**自己的意思,可以由于自己的, দিন দ্বিৰাপ্তৰাপ্তিৰাপ্তিৰালাই বি বিবিধ অভাৰপথ মা स्वित्रहास्त्रहार्थे हेस्साङ्ग्रं श्रे त्रवाष्ट्रम् । (थ्वित्रान्यस्त्रहास्त्र मार्कान चेनारता के स्वर्गाधार विकास करते हैं। व्यापन स्वरंगाधान 国的证据 有100mm分析的 100mm分析的 100mm分析的 100mm नहास् रक्ष्य स्थापना शास्त्रिया व्यवस्था संस्था अस्ति । मा पछि प्राथ्म (हम-देर् छ)। मार्टाद्या वर एवत्। हा द्यामा स्वरूप क्षेत्रक्षा कञ्चारक्षेत्रके रस्य देखा । अस्य दिखा । वा व्यवस्थान सम्भागाया विश्वास्त्र । रेन्या स्वादिक स्वादिक काञ्चाल **《新述》(由于《世》)(《新述》)(《新》))(《新》))(《新》)))** पित्र असात्र माणिया । चार्याकर्ता शारकारियकरू पारक्रशाहरू हा के कि मार्थ में विश्व सिंहा साथ ने स्वान के कि एक वित्र काल देवटेड बिटड माना दिया के लिखान महत्र काला र्शकाश रहेरछ । इत्राहेश रहे सका कारण त्या गाहेरछ श नामाण व्यक्तिका विच नामिन व्यक्तिका विच र ने हेश विचि शास्त्र क्रिक्ष शहत क पार्व (व्होदादा) देवत् नाम पार्व प्राप्त जात (स. र १विन वार्ष (गोवन शहान क खेविया कार्निक भून शिर्ह (थमा दिया। या जिल यह ना यक समहस्य क्रिया ला देवा मामका महिल् देशन मुक्त थान । उस्चित्र अभिक िपि चरित्र किलान धरने मरकबना का है। इन बाबाहर किला

ार वर्षे अनुसारका की को के जिस्सा कर है अन्य विश्व के विश्व किया है। **斯森市 举行的对人 (本种) 库纳州 (中国和 神经用 古要语家都 金鸡菜汤** क्षेत्रका राज्यक्षेत्र विकासिक स्थान । एस हर जाना मा विकास विकास विकास स्थान व्यक्तक्रकार वर्ष है। सिक्सिए पुरुष्ति वे प्रविक्रण सामग्र देशाया व ना विका विका देशा भारत अंति व कारत भारत कायाजि के निया दिए पिनप्रति विकार्य में ये व उपनिवार समाप्रे सारम हैं विरक्ष (के बाह भारति होन जीति के दिनेने विज्ञित क्लिक्केंचि (जिन्निय क्लिक्कि) एक करते (योजाप्री) गुनिसे १ किल क्रिक छाड़ि शहरे छात्र के एक चार्टक (नेक मेर्न गर्ती के रेटक मार्क विशान। स्मिलावि अधिया खर्ड नाक्षित वान के रिमाइकेन विक्रिक्ष मित्र विक्रिया है। जिल्ला का का कि कि विक्रिया है। किलिट्संत एक देव को निक जिसे के दार्छ। देव मान के विश्वी विक क्टक कार्य नोठ दिने देव करेश यपि वाहेशा अधिकरना ट्यांना वाष्ट्रितीयाचि उद्देशीहानेजाराय अस्योकहिन विभिन्निति। है। क्या । म विशे हे विहा के कि उना दा (क्वा दे हुता के वर्ष हैं। आंत्र त्यांचा हैन का उपन्ना किया मेरकान त्यारणमार बंद खर के छ : हवान च्या किटर अहम नहम बाहेशर । काहिशानाने मो खिंब करा य आहें। व त्वेना में बाहित कारिताक क नकार श्रीनिमाविक्य (बाल् जात्वर माकिन्न समिद्रकारा मावित भाग विक्रिंड स्भारह। बाद ना सिनान विन क्रियाहरू हरा।

जिन्दि। त्रामान आसि देशीनम समान होता है। सेनाम स्थापि िल्लेक्साः च प्रतिप्रकारहरूपक्षाः भि रगा का देशसः (आकृतात **क** स्थिति व्यक्ति जातिक भगत्मक त्येषियां कारत सार्वः स विश्वास्तर विकास अभि भी दर्भ अस्म इंबर छ। इन व देश छ व देश । इन हो । हा । श्री र हरिक्रेटिकेम मुनाम स्कैशा र संग्रहन अहन्द्र वाभिन्नेका स्व।के स्वाचा निर्देश दर्भ के के का के का का जान ना का जा कर के का का का का जा कर के का शिनेशायों (क) कार्य नहिंग भारत मनप्रने नेजान कर्यनायक বিশাস্থ দোলার তল্ভার। ভলভার স্টলভেনকরাভের বার অবিশ্ন বাৰ্গরেষ ভাষেব আৰি পাই বভাষ। আবির क्षिक्यंत्रं महेन क्षत्र काल मानक क्षत्र । क्षार्य क्षत्रक्षे स्पत्रिक े कि कि वह । व्यापात महित्र शत् में हे थान के ब्राह्म अपने जादन व्यक्तकाहित कालभातिकार। वाङ्क्ति। (कृष् वाङ् रतारण) निवयाकारम् प्याः अधिम भिन्नि भागमि याक्न । जानव इनारक क्षरम् बङ्ख हाकि तकेल्यक वालिय तिन शाक पाया किया । अभिकास रक्षावरहरूठ विविध आ भिन्ना से रमुखारेकर ভঠাইয়া সংহতে ধোখাল জোপনা বন্ধর পাবে ভারে শিল্প कामुक्काक् विश्वतं क्षेत्रात कृष्यं को भारत अधिरत । दशस्य वश्री। क्रम मानिव हा निरंशक्ष काहेन इन्हेरिक अविधास (इन विश्व कितान का निष्म अरम (धरतक व्यक्ति) अस्त्र) ক্রেপ্ জাইল বাড়িতে। আয় কলপাছ বতাস আইল্ লয়ডেই किम भरतक कारे पानिता पानिता । परेण रक्षे उठाई प विश्व हुत्र - विश्व दिव क्षेत्र 而於學得要的[B (医)實際與 與。即從 All的 以下可控的中国。實行 ·明克。於·昭成時間開展,發展。發展於·代別。京都製造

लिङ् लाक्षाना स्वाहण । जाका काना रत शर । श्रक विकार की लिल श्री मेर बनाय पेते (क्रेंग सक्त अक्ता श्री जात व्यक्ति दश्य स्वान्द्राप्त मून्नामा अविन भूत्रकाच्च क्रिक क्रमान । रक्ष की मेंगू से कि लिए लिए लिए होने दे विश्वान में जिस्सा रेगिन के निर्देश रेगिन के निर्देश रेगिन के निर्देश रेगिन के का जात्र व कार्य में इंड विश्वा कार्य कार्यकार है। अधिय अभिया ब्रोक वर्गनिम्बन्धितः। बका क्षिकाम उत्स सहित्यः। काशिक धालका नवना । छाई अभने । कशिक नार्वित हुका से भी विवायकामधार में निरामका कार कार कार आवे असे असे साम विश्वकेषा कारत विश्वविश्व के काष्ट्रा क्या एक्स व्यापिक वार् न्हाँ ए का प्रकृतिन (विज्ञानिसन सर्ग कृतिन का निर्माण का निर्माण का निर्माण क्षिणाध्यक्षेत्रे अन्य अस्थि। अन्य म्या (可要自由新聞館的資本社)以(是自己新生命)在企业主义的"首条代表的" 多大型多利量 对题对在140分中的数型的大线的数型。 कि स्थापितक हो है। बस से वं क्षेत्र देशे एक क्षेत्र विकास कि के विकास क विकार जाएंके राज्यत्र उन्हें किया जार पुरा (य कि जात क्षेत्रको 山南京 市的东西州 首和东西岛 和西洋南北 中国 中国 中国 न्द्रेर अपने प्रतिकारित कि वर्ष संग्राहमके । अवस्थित वर्ष स्थान 可用的資本的 海路、不少 多性 可以有能 静 (10) 上 (內) 海巴斯特斯 का क्षा म् थर् मा अपन्य त्याका के व्यक्ति वाक काहित इंक्किश बाक् अधिता विज्ञ आचानि आह 度(中華·明治斯·河東南南南山,明阳中东一、湖南山。河南山南北海山。南北阳南

क्षेत्र कृतिया स्मादाकाण भाक्य विशेष स्थाप । कित्रमा कर्तिकि के अस्त । अस्ति उद्यक्ति अस्य भागाय अस्ति क्षादकार कर्ण क्षादिस सम्बद्ध काम का विस्तृत सर्वित्र स्थापना क्षाद श्रीमा अस्तित । स्थानकामणावस नामात्रः । स्थान ्योद्य हुन्यु द्विता ह्वाइत खाला । स्थावक व्यवहरू बाह्य अञ्चलकित्रा निक् नाजा हेक विक अधि । क्षभवात-वर्शवाद । कियन अधिका अभिन्त अवस्थ अभिक कारि, क्या व (यहक्तकाव) अध्य क्षाहरू क्या कर् शिव क्षामाक्षम् । क्षण्यातः स्थिति । जिनासः । इस्मा एसस् अस् ्र व १८क, कारक व्यार्थि कार्यात्राहरू, सरप्राधि वरमंत्रे क् व काम का मास्त्रा चार्गाम बाता, सुर स्विति माश नित्र विश्वासाय रक्ष बालक क्रांशको चुनिहा अविदेश कार्या कार्या हारिया शहर विदेश क्षत्र, त्यत्रेत्। लेकिन कि वृद्धा के माधिका व्यवस्था क्षितिक जार अपनित्र क्षितिक क्षितिक क्षितिक क्षितिक क्षितिक विवर सिंदा संस्वा प्राप्त का मि, मारेश एक (बाहाई समाध) व्यक्तित वर्षक्ष भाषा इति वर्षे भूति शक्त (क्षित्र रक्षी वंश्रेष्ट्र रमण्यित्य विशेषां काक्ष्य रमात्र व्राष्ट्र करखक कुर्तक काक्ष्य খিয়া উমি থাক খোলালিটে এ এবিৰ ক্ষুত্ৰ পত্য প্ৰিয়া 'रिक्र (क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्तर्यः स्वत्रका । अधित भारका अवस्य अत्राम्य सद्देश्यक (संबंधा एकिइ एकिइनि स्वरम्माहिक छाष्ट्रीह वकामक ार्ने भूरत । क्याईक्टा डांटर बाट्ड ना स्वाप क्रांच र ना शानीत छाटन आरम् (नक्षांशीत से नजित रेगकात रेगिक कर्

國際地區 為社会 医金衣毛属性形线 经经验经第二年的现在分词 经证明 मनाविक्षेत्रे बेल्लाला । विद्रशास्त्र महिन व्याप्ति विद्रशास्त्र । 图画是中国中国中国 电影的 東京的 医二种中国中国中国中国 南南 (李宗明天明38年)中中中国美国 可印度市场的自己的时间中 實際自由 जुल्दकाका अभिन्ना करने । अक्षात्केश क्षेत्र क्षित्र के नाजिय शास्त्र इस्ति भटतः इस्तिक्रातिका सन् । शास्त्रात्रा मा म्हा सा। इस्त्रात्रात्री ब्रह्मस्त्राच्या वित छ।हेन्स्वरम्बर्गास्त्रा स्वारिकालाः व्हालिक विकास स्थापन क्या कारीय जाकी या किया किया कि है। व थानिक मधार मुक्ति भावेष ४ मध्य कार्यक गतिक राज्या है भ वाक्कार्या भाषा अ अस्ति अर्थित । स्वर्था अस्ति । क्षापा सामा सामा सामा सामा (भामास्मत अहीत अवि इतिकार कृष्य श्रम्भिक विला भाके वस्त्रक का कि अपने विकास अवता अवता अवता अवति । क्ष्म गाउँ हेन्स नार्व र तमानि क जिल्ला मग्र कारण का व्यव र सि विश्व मुख्य विश्व के श्वकृत्य म् विकार सामाय सामाय सामा क्ल्रमंडि क्रियांप्रिया नक्ष्य के प्रथम स्थास (स , कार्यस्थायाः विका जारम क्षिया जाति वृहे स्टा छ। कृष्ट स्वका लेखा नार्वेदनकमान्यान्यान्याक्षित्रहत्र क्ष्रहात्। तस्त्र नद्वर्थं स्वेत नहस्-(बद्दाशन् कार्याक वार्थादा प्रशास माजाना हो। यखर्त कृष्णात के अभिष्यंत्र ए खरतरण चठाएं से भाग । याताव वर्षेत्र प्रश्ने वर्षेत्र स स्वत्य अव वर्षम् इत १ वर्षा कात्र अञ्चल्ल हेर्ने का जेते । एक एक शास्त्र विद्यानि हो विद्यानि । विद्यानि विद्यानि विद्यानि । विद्यानि वि (नक्का माणिया वचा रहेक अस वारी । व्यागान्त्र व्यान शह व्यान्ध्याक (क्याहेक मध्यि शक्तक कार्य व्याना है। ब्रांगायक पास्ति संकाशको श्रांशाको हर पास्ति आहे।

[4] 。 战争,同时的人工主义的战争分争。[4] [4] [4] [6] [5] का निर्मातिका किला कुल्सिक परित पालि रम श्रीतिक विकास 型司,最后要的職员一門都代表。李 部门共享信仰的事员,还有关于他们 हरा हिन्द्रः वहर महाना विद्याचा व विभावता हो। विद्यान व नाम का व व व व व व (1) 医电影 中國 (1) 医一种 (1) 医二种 (1) 医二种 (1) 医二种 (1) 医二种 (1) क्षारणा व्यतितम् भाषान्य त्या व्यवस्थानम् अस्ति । एम्टेस्स् इति वि अप केल्ये केन्द्र अधिकार अधिकार अधिक ने 1000年 · 他在"全国"和3012年10日 京李河 可称从中的第1年的由于大师中中的 क्षाचा विवयक प्रान्तिक भागा आक्षेत्र । प्रत्या विभक्षेत्र 國際安心等所至時, 经营业时代 中的电视 中的时间,他 可特殊的特殊 काषाम करिशन पर न स्वारंत काला था प्रश्निक चित्र । का विकार १७०० है ला फिल कामान वारधानका है। सही ना वेल्ला विशेषकान विशेष वस्त्री अपने के विकास के लिए के में कि के में कि के में कि के में कि के कि 副系统制度 新工事主席工事的 特门证据,这一只有一个大学的对象的特别是 **美国大学的 网络森林山苏**和北京 化抗量剂 化抗量剂 中国的特别的 अवायस एकं । मात्रशांकी के मुश्किस का मात्र करिएको अनी मात्र वार स्थापन आदिया वार्यारम् विकटारो मिया कवित्व क्रि. भारणक शिक्षात्रे १ त्रात स्थान स्थान स्थानिकान् वात्रानार्थिक विकास स्थान अदास्त्रकेता ह रेख एएकान । एमध्या छा करा द्वा ने अक् देशास । विस् मा अका महास्था एवं सकत्व ! अधि इ नाक्षेत्र শেনকৰিখনতাৰ বিশিক্ষালয়ত কৰা হপৰ বাছিল কেবলেছেই लारियन । भोके न देश: । नवामान केले हा स-बारस्य अन्य र वस्ता है वासन्तर्भ क्षेत्रकार स्था । उन्तरं के दिना के से स्था के देश

30 5 3 5 36 E मुख्यास्त्रक्षिन जब धर्षेट्या क्षणात है। सक्तारन आमिका प्राप्ति क्षेत्रका सम्बद्धा अपूर्व परवासामस्या किल् म् वरह से भाषे। 國人會英國政府 全球的 共工会員 对连罗 《在以上》 [1] 《] 《 [4] 《 [4] [4] [4] मानिक के र्विक त्या १ कान भारता भारता चार का केन वा स्रक्ति किसे का अम्मिकान कार्य कराई आहरते । क्राकामा कर् कारण (सर्वापत कर्तान के के अर्थ आहे. कि कि होने जिल्ला कर कर कि कि 明確如14個的機構等因的表現在開發的原列的學科學學科學 國際可作的領 (中國共和國) 上帝原原政治(国) 特、克斯里斯 5 使利益性 मान लाका मुक्त इस्ता कार कार के वासित के का रेम्ब्री लाहें ুৰ স্থা বিষয়াইৰ মাডিক্লে বিয়া ভাষ্য কাই আই আইন ইভিছে ्राच्याक् करिया कि कराइ विकास सम्बद्धान कि विकास कि । क्यात (क्या के 1 जा। त भरिष्ठ उति कतिया स्थाप अस्ति। व व्याभिक्षान्य (नक्ष) (यात्र . देशा भारत कार्तिण कश्रावद्र १ एक वात्र क्कत टोक्। भरत व नि कदर के छा थिन इंटिएट उ विश्वकारी याविक उन शामा महिम प्रेन (न रेक्स्म वाजावक नश्याकरी ज्ञानिक इंकान मानिक। (मिन्सा गाँदक व व्यक्ति दान व्यक्ति भारेक्षक (मलानि शाकारन अस्मी बार्ड अक स्वाह । पूर्व ছারাস রাহ বাজিতক টিকে থাকে জ্ব কর্মনা প্রতিনাত**্রেক্**শি यह विदेश । भूभिया कृतिवारिए हे स्थाबित केन स्थाबित स्थान বাম হাতে মহিত হাতি দার । সাম্টিয়া গলে তেওল লাপা केशवस्यामा प्राणि काम् क्षित वृद्धि वृद्धिमा । अस्ति । अस्ति । अस्ति । िका असे गरमा खानक के उत्तर नामिका वास्ति के विश्व एक । माहिन धारित भरत भिन्ने देवन भरता। धरिदानि

भी गोन कारणा है। विश्वासीय है कर्य हुन है । क्लि छहन योखा है स्ट्री विवस्तर स्थायाः इतिवा गिषि संबाध या अत्र वरस स्वेनश्राकार्य विक्रीकारण करेंद्र थू म के बाक त्यान विष्य करके कि निव करही क्षेत्र। वर्धां भागत महे यह बाद्य हो। अह है। बादक्ष वाणि व्यक्तिनिष्णाहेन विक्रियो। बार्शन मिन एवं छाउँ विस्सी शाक्षिका) भेनिता एम्ब्रहाक (८) व्यक्त वदावद । तमाधिन व বৈশ্বৰূপে জালি হাজের উপবাধায় ইয়াপড়িল আলি আৰ্কেটপোর गाइका सादिल भारक क्येंगे अस्पति। चारक्ल जानि भारक িভারবরে কাম হাতে।ভাছিন হাতেসামটিয়া কাছাহড়সমিতে িক্লেমন বিভাস বেকা ছাড়ে খান্য বিড়া। হাড় গোড় গেলোসি क्षित्र क्षुरतृ हेर्का रहका।। उरव अरकर आहेन करका भारामाधान ্তেখনি ভাতার ভরে ছোক্তাখলাটান ৷৷ দোল্ধ খানিস ছে শিষ্কা আঞ্চাৰিক। ভাগ্য হেব মানে জভিথোসালিত দিব।। উচ্চত মেল্লভা গৈৰি পত্ৰমান বে খিলা। আপনা ছেপাই লোগে विश्व क्षाणा इत्रा ॥ स्मी भरव्य नावत्रा वाकाम अव नाशि। क्रिकिश क्राइन्नर (व भोजक टेरन चाबि ॥ १८वरको दाक्तिमा 'आकेदश्रिक लवन'। फिब्रिया होनेन भव ए है पिश्मव एनक्षेत्र स विक निक्षा भाव वालना मकास । इतिम अशामय कथा (मारम् CHAPTER W न्या । व

শ্বেশপ্ত নিক। তবে খোনাবধাতিরে। বহুত এনামাধন প্রক্রে স্থাপরে। খানা পিনা খায়নবে এলই বনিয়া।প্র ক্রেনিই ইক্রারাজ শাত্রা।। যেরভা ভারিয়া তবে আগন বিশ্বের। ক্রিভেল্যা নল্লাভ কতো স্বাক্রেয়া এতেক মন্ত্রি ক্রিলা প্রাক্রেয়া গল্পাধ্যে ব্রুছা ক্রেন্ট্র্ডাকে পাক্রিয়া

शास्त्र अकिम वीम्यात कार्ष कि खारण कृष्टि। कि বিয়া ৰা কাৰ আমি গলে চুরি দিবলপোলা**দ অক্সো**ৰায়ে এক ছয়দার ৷ ব্দাপাত্ালভান সেইলকরভিতরশ্রত পাত ভারকেনা পাথরের খুনি ৷ হাতিকাছাড়িল্লানে এতেক স্থানি ইনেক্ডা ওলিরে কচ্ছে ছাতি পারহাত। ওলির ছাহেব किहा (मान (भवः बाजक्षर क्मक्रक किन धरे (काद्र जादेत । शरू भर मानिका चात्र छाई विजापत स घड़ि अक विडिलास আৰিয়া ভেটিবা মহিমহইলে ফতে এবান কি পাইবঞ্চনের का विभिन्न (जारे मुझा क प्रशिष्ट्र । महिम रुहेरन करल अनाम পাইবেঞ্পোলাদ অন্দেশা ভবে চড়িয়া বোড়ায় ৷ অভিধো সালিতে কৃষ্ণি ভরণ বাজায়ক ডাঁড়াইল পোলাদ অন্দেগ। कामि इत्ना (नक्षिया व्याष्ट्रेम वणि आक् यत्नर शकान का জৈ লভিবার সাদ রাধ মনে ৷ ছবিফ ভাতায়ে কেনো আইন नाचे दरनक्षत्रं विता हानिका करह करता भाहामधारन। अहे कृषि अक्डम (नक्ष मध्रमार्वसं शाबाम व्यक्त कर्ष्ट्र (प्रमाक করিয়া। মহাআদ হানিক। ভানি স্তন দেক দিরাইভোনার লক্ষ রে ত্রেছ বড়া পাহাগ্রান ! পছেলা ভাছাকে ভনি ভেজহ ময় দানকশ্ৰনিয়া ভানিকা ভবে আগ ব্রাবরে ৷ ডাছিন ব্যানতে नारा यान माथि करतक वामान एकात माम जान कर् কৰে। ছালাম করিল আসি হানিকার চরনে ই বলে সাম্প व्य कर्ड्डिकि विभि। (केम्प हिलाई अहर (म्राच वार्गि वार्थि) क्षिका विविध छ। इ छिनिन् (क्षाइ १६४। छिनिया व्याहेन मध अयमान छेणात्र अरह थिसारभावा प्रतिवर प्राया देशन (आरत ্রিরিয়া আহাড় নারে জমিন উপরেশ্রহাড় গোড় চুণী হল প

ভিয়া হঞ্জিলে গুলার উক্ আছে ভার আইন অভিভেপ্ত নেহন্ত জ্ঞি হৈল আসিয়া ময়দানে। পতক্রে মউভ্রেম পড়িলে वा अवस्थ वह करण हा सिन हथात मात्रा भवा। पि थिया गर्ह बकाका बाधन क्रेनक्षां पांजा अठाहेत्य कारक शानादात्र गाउ। भशयापि (हो मनि देशन स्मिता ভিতরে । अन्तर्भ छर्ना बान्त्र क्षेत्र वाक्रद्र। देवम्रायाख दारब श्रुम हिडिन बसद्रक्ष रहम कारण आहारमह ठाभक्त आहेल। अवदाहिम उउद चा ইল প্ৰিয়া ক্ৰিক্সক্সহান্ধদ ক্ৰিকা প্ৰনে বড়া থোসালি ত। ভাই ৰেলাদ্র আর লক্ষর সহিত্রবঢ়া বেত হইয়া সাহা काइम जिल्लाम । हण्यू जिल्ला (कामन विक्म सम्बायान श्रामिकात कटला जाहे (वज्ञानद्व । या ध राजाहेग्रा वास (वर् आज थातिरत्र क्ष (भाजाव सिंचित जिम (क्क् वा चाटेल। या পন লক্ষরে গিধি ফিবিয়া লে গেলে:এনেরভা ওজির তবে লোলাদের ভরে। খুলি খোসালিত ছইয়া কেলিন ছে ক (वृक्षमः वामर कर्द्र धरङ। भाषाणधान। इंहिन व्यशान्य कदि व्याप्त महाप्त

वनवाहित्र उन्नत्र शाविकात कार्ष्ट्र (भीष्ट्रियात वर्ग्यामकः वनविक्षः वर्ग्याहित्र उन्नत्र बाह्य कार्रेस, न्यानिया हारिया होरम, (शानानिक वर्ष्ट्र रेश्न जाट्या वर्ष्य कार्यान प्राप्त नामिक गर्न (इस्माक्ष्त क्रिक्ष नामा (पार गर्ना प्राप्त स्थान क्रिक्ष क्रिक्ष

第 25 年 第

शहर अखित गण्ड के भग्न के लिया है स्वार के स्वर के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार

क्ष्मिक अवस्थित । स्वार्थित विश्वास्थित । स्वार्थित । रत्रे भेटद्रतिक्त भक्त भारत क्रिक्ति वाले। क्रिक्त नार्कि किए कुछ परे श्रान्धानामम नाना प्रामान्ड (ठामाः कर्तुतः (महार स्वात्रहर्दि। जासाद अवस्रहे के असारमंद्र गाम स लिकिन् आनिवान आज मार्य अय छान् अमान मानियां छै। निद्धार-किना व्यक्ति (ब्राजान चडरतः ए।स्ट्रस्ट कविका देश छिनि (धामादा के वार्यात स्टिवस्यको स्केश (धाना अन्याद्र का अधिम शृक्ष मा अधाव क्षेत्र विश्व विश्व क क्षेत्रं विकास । एकापृक्ष । विकास मार्थ म्बर्गन्त्वाक क्षेत्री ाक मार्गिम क्रिया जाका मुस्सारित । रस्थारच रखनिव 'च्या विक भोक्षिः जानकेखनिया त्यञ्च वरण दशासारमञ्ज कर्य है। (बान्येके निर्द्धा करना काकाका कि कर तक्षरण काल विनय गाँ। লাভালের সনে। কোন লাভে লভিতে কাইব আনি আ अभूरा भावप्रारम जामि रिय भाठे। देवाम कवनि निभूति छ। ক্ষানিৰে ব্যক্ষিয়ায়ালাক কাম ক্লিয়া এক ব্রেটা ক্লিটা কি শাঠাইদ ক্ষেত্ৰঃ কবিতে প্ৰতিকাৰককাশিয়া ভাড়াছ। विक्रिक मुम्राची वह शामत्र रामान सर् चाफा टेक्स (पर भामहत्मानारम् । स्वीतन्त्रः त्याचः देव्यतः कारम्यः पाईत ्यसः अदिवान या विद्या कः अञ्चलता विक्षा एक । विकिक्तिय । मुक्तर 'स्वारण' तम स्व कान्त्रिक प्रावित्य इ वाधारिकाक क्रम वाधिका लिखा छ। । यान्छ लियु त्रक्राक्षाक् विकासका व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विश्वस्थान । ज्यासाहकः द्रान्धाः वृक्षि स्वत्राक्षण्याः कि क्यांश्रिक्ष है। मिलिन क्यानिस सहस्वत प्रहारमा

हाल बार्स छनि स अभिया म्राकात रेक्टना जान रहा বৰ স্বনিয়া খারেল পরে মারিল তগভার স্ক হারেল চালেল। পারেলাইল জধ্য । একবার দেখাইলো নিল পরাক ম 🎎 नामान मामान विन करदेन स्किन्। स्राहर्वहरखर केरिन ज्ञात समानि से स्किन्न उन्छ।त अवस्थात सार्व रहत शहर वांडन अभित्न विदि हहेशा मूहे हित्त 🖨 अक शम एउ आहे. हक्त नाक काम । इहिंदा व्यक्त जारण हरेग्रा पृष्टे थान क रह ছান নামেতে ভার থার ভাই ডিল ! ভাইর সোগেতে *আলি* े शांत्रक पितिन ए वर्ण भव छाई (भव नहे कारि (कःथा িবেক টিকিয়া মোর সনে কছ কথা 🖨 এডবলি নেলা এক प्यारन ध्यामाइँ हा। इंदिन प्रतिग छाहा है। मिता है। मिता 🏰 क्ट खाँव (मका खांताहें। उ नाहि काम । आमि (अथाहेंग्रा-দিই কাছে মোর আন 🛎 এত বলিনেরা ভার লইল কাভিয়া। (महाइक्ष हार्राज ७३वि शाया हेर्या स (वज) सावाहेल्लाः त्माथ (इजायनप्रात्म। जिल्लाक मा स्राथिक वृष्णां क्या द्वादिक किनारम भारतिय विका एक्झारमेन वृद्द्व । निष्ठे विद्या विक् पिल्ह्: अ शांक नाटक # जारबात 'के फिर्म बाम (गरला (नरका: জিয়া কেন্দ্র ভাই আইল থাইরা 🗱 গোজ বোরাও ইয়া আদি মারিল ভাছারে। ঢালেভে লাগিয়া পড়ে জমিন देशात से क्षेत्रे हेस्सा भागम् क्षित्र अठाईएउ ठाय । सहनम কোমার টেটি মারিকেই ঠার র ভাএরতালালে মেহ ক্রিল গ্যন (শেষ্থভেডাইং খোস(বিভন্ন।ফেরিছানা নামেডে **जाहे (मरिश्रा बाहेग। क्राइंट्लन काम्रायन (म अण प्रिया)** গুতি কোনে ফোনেছানা তে ভেছিতে গ্রাশিল । কেল

क्रारहरकर (क्लारक नादिन।। (क्लावेरक नारद निवि स्ररह (बह उरह। भासाइ श्रातक गांकि यहिन जार्थद्व ग्रासाकः रेश्ट एकाइसारवादाय धक वाड । मादिन अहेकन ध्व किम उभार ।। क्लाब्स्या क्यबाख वड़ा (बाइडाइ हिला । माक्न আজ্যুড়ে পিৰি ভবু পুৰ পাইলগ্ৰুড় বড়ি উঠিয়া গিখি পালা ইতে ছিল। আহাম্দ চপেলুস বিল্লা ভাবিদ ধরিল এ পিট (माफा (कारत वारन्श विद्याक वास्तर । दरक्का द नार्मिक जान णात (बदामदा 🗱 छोणव विशव) (मृचि टेल्व (बाधामना श्राद्धकात्र भन्न भए वा अत्मन्न (कामा क शादक नहिन् अस वक्ष विक्रित। मुक्षित्र केनिया जाएक वासार स्वेता शासान माल कार्यक्रिमांनरल नाहे भारतो. महन मान कार्निकार्शिक वनाहिरहक्ष छर्द वक रहाजा र म काबिछ हास्त्रस्य । रमहेदमा किक्विक वर्छ वाजिए के वाजिए एचाई मा राज छ। दिव হানিল। ভাইনবাকার পিছে বজনচলিল প্রভবেড পোলামে वडनाभिरनक राष्ट्र। रहनाम हाद्वानु व्यासि कछ कदक्ष 🗗 🛎 शहा अश्रह क्रमाद्य पाजिका देव्या भारत । तज्हें साम्हास उनहां वालिकारह बारक के व्याजनाम नार्याठ कर लानरमंत्र जाहे बस्के भाक्षास्थान (मर्बस्स्य (क्का के क्षाणाव विश्वासाय (मध भाषा देश्या। (भंजावि आफ्रकात उद्भ व्यानह वाक्सिया अविदा चाउनाम शाहेबाचाई समहित्य । चानवदादद (नाहा ভাতিমার গমেঞ্চারে ফেরে চোট কৈলআসিয়া পাছালভাবে इंदिए इंदिय छाइ: महेष्यक है। दन # वुथा (भारता हि। है (ब इकर १६५ का व । शाद्यक कृतिय का है शिक्सा कि उटक শাৰ্ডাদ কৰিবৰদ হাৰেছের মুখ্য ৷ ৰড়া পাহালভাৰ বিভি

। ক্লায়কর ত্রাধনক ক্ষার কিরিয়া চোট করে হোড়াপরে। রনজুয়ে इन्ट्रेड (शहरका रेक्स) (करहरी शुनु योज काले शिक्षि करिएड क्रारत्य । याक्षयम ठाणवाम वास्थिती हिन इन बार्य 🖈 अक् मुद्धि बाक अस्य किनिन्द्रकारका मारम्बा रहेशानिन नानिन व विराष्ट्र के म्राविष भारेया भी ए व्याननारमः। उरहे। वे स्कूर्ण পাছ। ড়িয়া ভাকে হবে করে 🗱 🚊 ই কপে পোলাদের 📲 🗟 লোভা আর। হারেছের প্রমুখেমাসিনা ফিরিলো আর ग পোলাদ অক্লেলতবেন্ডাহ্নবানেতে। নমর্করিয়া গিছি वार्षिक कि एक (वर्षा छाई छाडिका बाद , (क्र् नाहे। रक्ता जिल कार्मिन्द्रमाहित्यक क्यूष्ट्राकार्यद्वयार्थाव लिपि वाहेन विजिति वानिमा हरून शाजा हारदेव नाकरड श्रादरक कृष्टिन एत्र मन्द्रिन नाउका। श्राद्य व निरंद कृषि नाश्थिका को क्षा वाक्षा का अधिक व्याप्त करवा वाक्षा है। भारतिशानभटकारण्यभारक लाजभारेक यात विकासकारति चाला रेक्टना वास । भववान (भःनाम अपरंगा (सब नाई 🤒 কইকে নর্থ জেন হাতে করি মলি। তেম্বি মলিয়া ভালিৰো ভোৱে বলি ঐ হারেল কহিল ভোৱে পোলাদের খারে। কন্য ভিত্ত নারিবে পদন্কাটিব রেশ্রনাত্ক আদিয়া গিথিকর সোর সার ৷ এথনিভডিব ছের মারিয়া পর্যারঞ্জীনিয়া পোলাম্ णिथि गाचाम्रजनित । शाद्मच उपद्यामि उपद्वि यादिन হারেজ ঢ:লের পরে লিলেক উড়িয়া। পুনু হাভিয়ার কৈলো (भाषा (सन देशमा 🛊 घट्। (वृह्य हारवृक्त कहेर्ड हाव भर्त । नामित्रा (चाज़ांत्र (इदा इवे थान करत के नार (देत शिशामा अ হারেছ হৈল ভূমে। কের্লিখি চোট কৈল শতি পরা কলে

বিবিষ্ঠ বিবা শিলা লাগেতলভার । চারিআকু ল মণেহারে। জেরছের পর্ক্রতেরেজেরবিপদ্ভ্রমপ্রভ যে।মহামাদ্ভানিকা व्यापि श्र किल में स्त्र अवता श्रित वाना वाल करते जिल्हारक बला बाह्यानिम् हाथ लकद स्हेट । क्त अववाहियाक्ष क्राक्षर व क्रांकिया । क्रिया वाहेम्हा दावा दक्षिम क्रिंगा। है । इब क द्वा वाद। भन दिन फिशा। अपि थानि भादा आहे বিষয়। বেহেও পাইব সুথে ভূ বিব্ৰিন্তর। কদা চিত্ত মানা নাই করহ ওওর ৷৷ দেখিল পোলাদ গিধি ছাওালের ছরে। এখন না ভাগিল লে আছেত হুণ্রে।। ভবেত হুইল শিধি ক্ষমন্ত আনল ৷ ছারেলের উপরে ফের করিলেক বন্ধ 😅 হাত ওঠাইয়া চোট করিতে সিদ্রে। প্রড়ি মেরে শেল সিশ্ **छ। त्वत्र छिछद्र ॥ काम्द्रत्रत्र कार्ष्ट् थान्ति (मधित्रा नस्त्राद्र** মাহিল কাটারি থুব হেঁকে কোর প্রায়ে।প্রতিয়া পোলাছলিবি হাত পাঁওকাছাডে। সাধাসং বলে সবে হাঁকেছাডোংবেরডা ওলির বলে ওরে সিশু বরে ৷ কেন্নেনারিলি ডাই এমেন ছর मारद्रक भोएरफ्ट्र नाकादा वाजात थाद्रिकाम । करवट अ एक काका देवन जा अलाम के हादिहाद वाहा पिया **ज**ि (वामारमाउ) बारम करत बाचिन वाभनमसः वर्षक्रियाव भा ৰাবাস করে ভাষাম ছুর্দারে ৷ হামিফা কে বৃহত বক্ষিপ क्तिणा जारत्रक्ष थहे काल हारव्य गाजिया पिन कठा। प्राथिया रमझ अ। शिथि रेक्न उहा नि उ क इक्र ज़द्र भम दरक् मुक्स वाः লোচে। পাচালিতে অধ্য এচাছর রস রতে গু

্মর্ডা ওজির এতিছে খত যেখে 🗱

ব্ৰপদি 🗱 🛁 হাবেষ ওওর আঁত। কাচিতা স্কঃ

োতি, স্বরিলক্তিশাপনার জনে। দেবিরা মেরভা পালি, কি क्रिन् अस्ति। अज्ञास्त्राम् अञ्चिष् वेदप्रिकास्त्र नाम्या करि खादर, विभाक चृहिण स्मादर, सन् रिचा भानाई उ गांत्र বিসহ আছালি পন, কংগত দাবন হন, কেনেমকে কিনিডে না পারিঞ্জেই হোকার আরু, কেরাপোস জোর ভার, এবরা हिमलखित बहेशा हारिक वा एकात उरत्, (महे ५व छ। एत কাৰিকার মদক লাপিয়াঞ্লাখিয়াছে লোভকভ, দেই মিগা इ इट्वज, कोमा मान्यसम् जाहात। बट्डा नामि छत्रपाटत (धरमक (बारमरक माटब, सिक्ट मार्च कतिया मान्यावधानामि ত্ন কোনজনে, পড়ে বে সিপ্তর সনে, অফ্ নিজ চিত্তত্ ক স্ত দু ৷ ব্লাভি বেরগাত্র কার. পাঠাও লক্ষর ভারি, রেই খব নামি भार्यकानमञ्ज्ञ निधन समि शिष्य अविन गिषि, उरा ছাতি পেল সুকাইদ্ব। কোমায় ভাক্ষি। পড়ে, মূখে আত ধুলা ওড়ে, হৈছলে পড়ে আছমান কালিয়া গ্লাহিন বামেতে কভ, গালিয়ান সভসত, ব্ৰিকাৰে এজিন সভার বিজ্ঞের পদ আসে, গোরিব এয়াশ্ব ভাসে, নবি ফলি করেন নিভার নেইড়া ভাষারের মদ্দে ছেরেভানি লন্তর পৌছে

शवाबक्ष अविष (काउँन िश जग्न शाहेग्रा मरन। कहि (जगाणिक शिविदिनम्न दठत्वक्षकिक अमन शाहाणकान (कृष्ट आरका खित्रज काहेग्रा (वर्ष्ट आरम्ह) किम्रक्षक्ष (व इत्रप्रात आमि कित्र जाहारत। पित अधिकात अक मुझ म जिङ्द्रिक्ष भएजक किम्र कपि अविष स्वाम । क्रम क्रम जिङ्द्रिक्ष भएजक किम्र कपि अविष स्वाम । क्रम क्रम जिङ्द्रिक्ष भएजक किम्रक्ष क्रम अविष स्वाम । क्रम क्रम जिङ्द्रिक्ष भएजक किम्रक्ष क्रम अविष स्वाम । क्रम क्रम

अपन्यक्रियत कारण, वेक्ट्रयत्रकारिणाय अन्याक्ष । अस्मध्याक्ष्य বিভিন্ন লোপে সেই হা নিষ্ণা ক্রাথাল। কে । ক্রিট্ট রাখে কেট লাও काका हालाक हालाक । अस है हाल एक किया विद्या है कामा के कि ত ভগাৰ প্ৰাক্তির বং নিজাইস নিবামনিকা ইও পোসাল হঠল দ স্থাকে আস্কৃথি ভাৱে জন্ম ক্রিলাংখাল মুখ সার জি ক ক্ষা সংগ্ৰি। মুম্ন অভিত স্থান্ত সভত্তি ইহাতি প্ৰ ক্ষাে সংগ্রহার ক্ষার চলােড়াই মদমে সবেটজির তাক রাম্ব र्भ र्भ भागा अञ्चलका दानिकान । बाहर का द्वा पायुबक्य वा ্লেড'ব্দুম'ন্দ্রালহ্ আলি চলিরা দিলিল। মেরডা ছিচ্মার मार्च कार्क होते । जिल के छेड़ा दिल लिल लिलि जाल्य प्राप्ता अ स्म भिन्न भकन (बाध द्रिविच विमादिन प्रतिक्ति । अस्ति भारत (वन्तः ३ छस्तः इत्स्त्रः "कादा विद्या वाकाश्यक्तस्याः भूति भारकाड़ा निवि साकाता विकासी निविव अकन्धान संग्रह कि हा । । । । । व्यापन का विकास के । নিয়া নির লাভ কচ্ন্ডাইঞ্সটেব কাক্র এক ছিল সিপ্তর क व प्राहर नेभावण बादधातकवणम न जाग उन्न जि ा गं कवाना वाधिका वार्षित कार्छ टेएल व्याधिकानश्चेश्ल লান করিয়া বৃত্তে লোড় দেং ছাত। বাবাজিট থারেক ক্ষেম ্। দেশ বাজ্ঞসতে আপন্ কৈরি করিব ভাষাস। আছি कात्रवाद भग ग.मामा क्राया क्राया कराय देशक के मूंड कक्षता अर्थित कारिको का स्थापको दार्गान अर्थन प्राप्त करा । কারা কহিবছেমুডি ৷ ভারণা বিক্রাণম কার্ডিক হালম। अभिकार कार्य कर माने कार्य कार्य कर है। इस काईएक क्रिएक मार्च जिल्ला हिन्द्र अस्ति । जिल्ला अस्ति । जिल्ला अस्ति 3

वस्य । कर्य कार्। राजर वस्याजकर विका करिय वस्य वी ী কেম্বে। এম্ব **লাড়কাকে**বাপ টাইবেরনের সুনিয়া**য়চে**র काकार्या भारत्या वर्षक नाष्ठ्या वर्षा सार्वा वर्षा (बजा जान चाह (बज़ी नाएकाह बान । नदन । इंडेंक गारा हा ম্বাল কোৱৰ নিঞ্জতৰে সাহা কছে কাকা মচেৰের ভঙ্চে । ক্ৰে कृत यावा स्थि गुलिन् (बामाध्यक लिनिया हानिय गुन् शी রে সামধান।কামান বঞ্জর জ্রি তলভার চাল্চল ইয়া ভা খ্যম সাজ চড়িয়া খ্যোডাতে। বার্গিল মে বিস্বর খ্যেড়া বেই प्राइटउक्षम देव कि निज्ञा स्थापा प्रम खनि सार्थ । व्यक्ति स ধন ভূমে নাচিতে কৰিভেঞ্জাকেতে আপিয়া নিজ নাম কৃত্ लाम्रा प्रदारका माहाबाहा शानित यानाम्रक्षकाका महहत नाम एप्रक भानामात् किरम्प मिलाज क्षम् । बन्धादा हा व नर्भाम व्याच हुँहै। हैव माणा निम् वतन गाँह जादन (संश्रह्मा ক্ষাপ্টেৰা এৰ গ্ৰয়া হাত বাড়াইছ চাঁচে । পালচ্চতে নাপা রিবে পড়িয়াত্ কান্দেঞ্চ গোঝার জলিবশুনে ক্কর ছরদায় মানেতে সাহ্বাস কলি বড়া জোরভারক্ষমাণান ভাইকে লি ৰি কহিল হাকিয়া। লেডাবি দাড়কার ডবের আনছ বাশিয়া। বার বার কট্ করে নারি সহিবারে। বুঞি পিলিড়ার পর উঠে बहिराखक्ष्मिता बाह्यागिषि मिन्दत भारत। कामाख्य रमधान जात यति वानि है। त्यक्षनाहिन (क्लाटक निधि नाष् কা ভার। নিদানে ধরিক কাকা তাহার হৈছিলরে কোনেতে कार्या उद्ध (एड् °दव (काट्य) (स्थावेश क्थिन व्यक्तिक নের ভাগের জ্বা ক্লানের করে। ছিব কোনে জান। তবুরক্ষা পা য়া জাতৰ আয়লয়ক্কতিন ত**লভাল** উঠে মানিল **নিপ্রে**য় স্

क्रम महिन मिन् पारमक हिनाइक्षणन बाद कविन क्रम कोरण কার প্রায়ে। গোস্বায় নারিল কের এক তল্ভার।।এমন গোস্বা ন্ধ পিথি ভলভার ছানে। চারি পাও ঘোড়ার কেটে ফোলল 🖷 शिर्विश्वामा इरेश काक्। जाजां अपूर्वा वाहेन न्या (मध्य मुखक काहिएडक् भिष्ठवय (मध्य समि स्कर श्विन। (श्रे চিত্ৰ ভাতার সিলু ঘটিল আপ্ৰিঞ্টলট পালট দেংহে হয় भक् द्रमः (क्क् कार्द्र नाहि भाद्र लामान लामानस्व के क रभ क्रे हार्ति काउ रेव्या रभरका । जादशस्त्र मिन् काठवलाचि **ধ্রিলেঞ্জ্যতেত্থ্রিপ্নাসেখ্যারন্দাবদার।** মারিয়ানাভিত্তে কোষ্ণরে করে পার্ঞপড়িল কাকের লয়া হইয়া অধিবে। খো नाणिए निम्दर विवारेगा दानक वानावाना चाद (य। ড়া এনে রেকাবদার।ধোসালিতে সিস্বর্ভ্টল ছভার্ঞভা हेत्र यत्रन (क्षि क्षक्त इत्रमात्र। जाननात्र (वह) (कृत (क्रतक्षा রবার এবামেতে ছোহরার বৃদ্ধি বড়া পাছাল ভান। তাহার ভারতে গিৰি করিল করমানঃ ব্বিব মৃদ্মি আজিকেন্ছা জোরভারে ! ডাব্ডিড ব্যক্ষিয়া আন এই সিস্বরে শুস্থিয়া ছোহুরাব জবি ধইলে সভরে। আর রেসমের কান্দ কেলে জি প্ত ব্যরক্ষামালিয়া বিস্বর্তনিজ্ঞানে ফেলে। পাছাভিয়াল মিনে ছোহরাবের দিয়া শশে এবগলেতা হারএগছমারিল থঞ जा अ_हरेण ठाडु विकार पातिन ए क्वेस अवश्वास अवस्थ का है। ্রভালর ৷ ছোদ্রাবের শধ্যেসভে করিল গম্বভালাখেরেরেটার সেংকে দকরসাজিল ! সিসুকে গাঞ্জয়া বড় হাঁকিতে লাগিল ভাগরেগাড়কা ভাই উমানে ভরিশি। সামারহ স্করে লড্ডার लाति। नक्षरेपाय महिर्देश स्थान । इत्राह्म स्थान । ज्ञान स्थान ।

नि अर्थिता सम कटला काका वटन (वाहित्याप मार्कत स्मात शक्षणने भारति इस (अमर्गा नस्तान से मृतिह) नाक्षणी ভাকি গোষায় জালিল। কাঠার স্মৃথে লিখি মোজুদ ক্ইলে শোসায়সারিগক্র নেজা মে হাতিতে। সিম্ সেই নেজ থার হা সিতেই 🛊 কাড়িয়া লইল নেলা সিল্লোর নারে 🦫 গোৰাৰ কাঞ্চির তবে থেচে তির মারেঞ্চমোছেৰ কাকার থেট পুরা ব্কেমডে : ক্লায় সকল ভির খরে বাম হাতে 🖨 ভাব মহাতেলে সিলুমারিলেক তির। ঢ়ালংকদি পিটহৈতে চইব वाहित्र॥ शिष्य मारावाक कांच निम् य त्राप्छ ॥ (प्रथित्रा বাহ্রাম অঞ্ ধাইল সোকেতে শ্রু লাগিরা যে গোল্ফ গিছি ন: রিশ কাকারে। ঢাল হৈতে কাকা ভবে আপনাকে সাহে: कित निवि त्थाका रेक्या त्याक्त कार्तिन । निन् वत त्याक्त ভার ফের সামালিল। পুরর ঘোরাইর গিথি চাহিকমারিভে কাত হৈতে গোল্ফ খান পড়িব জ্মেতে ও হেট হৈয়াবাহরাম क्र एठाईएउ हाम्। इहरहाच खनवाम जिम, माहिएवक ठाइ এমন ব্রুতে সিদ্ তেগমেরে ছিল। ব্রাম্ভ্রুয়া লিখি ছা খিলে পড়িলই চেলান ক্কয় কের যোড়া ওঠাইয়া। খেঁচিৰ দেওলে আজি নক্ষিক হট্যায়া যোড়া দোন লাখা লাখি করে সেই খানে। বেছোকে পেয়ারা করি ফেলিল জমিনে। काका (इसारमञ् मुहे भाउ भागितेशा बुरव्हे पारिश्रादेवा) व्याप्ति जानिया 😊 क्लारनद्र . (हर्द्र महे वादिरनेक मृति । श তিল দুলেতে কাক। বুকে হৈতে উটি 🌣 ছেল্লান উঠিয়া কেন্ মারিল তলভার। বারেক নাজভাল হৈতে পাইল নিভার 🗱 ক্ষেত্ৰতাৰ মায়ে বাবে বাবা এক শাস্থিত আৰু

Grand Pro

ৰানে পৰে ভারা। গেংঘাল্ল স্ফল্ল তেপ ঝাড়িতে ধার্ণ পৰা। হাম। আক নিস্পতি ক্লালে হউল ১ মহাক্ষ হানিকা কেৰে পিষ্যা দুলভি । কৈতাবি আসিয়া ভাঙে ছেলাবের প্রতি।ঃ कारण वस्त्र कार्य कार्या सरहरवंत्र छरत्। स्वामित्रिया स्वामिक्य ছে মাণ্ডল প্ৰজাৱ গাণ্ডত কাক্ৰরেলােশক্রিলসাবাশি मृद्य मृद्रित एई हा इंड थुनि ॥ दास शखिद माद्रादी वालि ब एट दला मुनिसा (इलाई यन बारु छिसा छला।। एक छान আাশি ছা কছে মেইওার তরে। তফরিক অক্তে,ছিবে ভ্রদা রি মরেভবলে চল পড়ি গিয়া হৈছবা এক সাভিৎ ঘড়িতে ঋণার মেরে লিও ছাত ছাতি ই মেরঙা বক্ষিস দিল বহুত हिल्लारनात्रा वह क इंडिकाम करित दिल्ला चा हैवारत्र में दिल्ला উটিয়া शिषि क्रिया एउमान । निवारन छएवित क्रिक्ष असमान अ करकृत वाकात्रा जन लिएन वाकिनात्र । नांकव छन मा वे है। दिन मश्रमान छे भारत है। दिन ना हो ना का देश ना क बिद्द न्छा है। (भड़ दि आभिया निक नाय कह छाई।। असन केर्लि जर्द (इक्नान कारफरत्र। महेशा. खानाम (मान शेर्ड) এক্ষারে 🛊 দেখিয়া হানিকাস্ত্র অতি পেরে সানি। বলিগো বিশ্টিরা ফেচ্ জার জেই থানি 🗱 ভিন্তাক চ্ভারেতেবেরভা ছব্ৰদার। মারিব একফরেরে মঙ্কে তার বার।ভিমার আশি তা লোৰ আলি আকেল আভিরে। কৃছিল ভোষরা লাছ হাভির ল ব্যেপ্ত ভব। ওলি দৃষ্য দার কেই ভিতে। চলিলম্ছেবকাত্র নেটার সহিত্রে । জেলার ভাগেতে আহু এবরাহিন ওভোগ विश (वर्गे क्राइड काइड अवस्त्रा। अक बाक व्यानि इस्त्र इ ছতা হেলাবে। বেড়েবেক এবন।হিম পাইরা নরগরন। 🐔

हिन व्यक्ति विक्रित वार्यात क्षित । व्यक्त मुक्त भाव विक्रित विक्रित

े उपन कालिए क्रिजिन क्रिजिन के के दाद व्याम ।।

क्षित क्रिजिन क्रिजिन

করি । যেরে৷ এই আছওারেলেন পালাইতে নারে, সেরা জানক্রতে ধরি ও শুনিয়া মাত্ত লাভি, লইয়া বড়ং হলি ভূমার আলিতে জাসি বেড়ে। মেন মেল্মহা ধরে, আসিলা জ্বন পরে, শুক্রুয়ে লুকায় নিল আড়ে ও দেখিয়া মাত্ত

ज्यान शहत, च्यान्य व्याप्त निक्ष च्यार्य के प्रतिया मान्य (भाष्टें, भन्नक्षा चानित विदे। ग्रामान्य ग्राम् च्यादा। छ (मान्य प्रतिक्षा व्याप्त), वनम्पद्ध ह्यान् भाष्ट्र।, प्रत्यचानिष्य विद्या खरत के श्रिप्ताप्त क्रिया हरने, क्ष्मु क्षांच शक्ति, काण्या शाष्ट्रिक कृष्टिकत्व। (प्रवित्री भाष्ट्र वस्प, चार व्याप्त काण्य ख्यादेन शहत विद्याद्यक्ष प्रदेशा होते व्याप्त काल्य

श्रम, উভवाय कान्य जित्रा पात्र। न,त महाचार शर, अरहाय इडेग्रा हम, ज्यम अग्राक्त अहा शाग्र #

ওজ্ঞর আলিকেকএছ করি ্রের বয়নি 😻

भश्यक्ष अवस्ति भरत भर्छ माठ मठ कार् । वस्ति का स्वरूष अवस्ट क्ष कर मृद्धित यात्राठ अवस्ट देवलात मानुष्म वाभित्रा (बन किया वात्र स्वरूष अवस्त किया वय स्वरूष अवस्ति। (मोक्ष्कर नाकात्रो वाभिन वाविवास के बहै व्या प्रवेशक नाकात्रा वाधिन। बात (बहै विद्याप विवास के बहै व्या बाधिन। कार्य (बहै शास्त्र माद क्षेत्र विद्याप । भरत मास्त्र वया बाधिन। कार्य विद्या क्षित्र क्षित्र क्षित्र विवास के बहि व अवस्ति। मस्त्र के क्ष क्ष का क्ष क्ष व्या ब्राह्मित्र विवास के ब्राह्मित्र व्यवस्त्र प्रविच के अन कर कर कर कार्य क्षित्र विवास के ब्राह्मित्र व्यवस्त्र प्रविच के ब्राह्मित्र क्ष क्ष कर कर कर कार्य कार्य क्षा विवास के ब्राह्मित्र विवास के ब्राह्मित्र विवास के ब्राह्मित्र व्या कार्य के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र कार्य के क्षा विवास के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र कार्य के व्या विवास के ब्राह्मित्र कार्य के ब्राह्मित्र के व्यावस्त के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के ब्राह्मित्र के व्यावस के व

সংগদ দিন্পিছেতে ভাহার বৈছত দিরিখ গাসি হ।তির ছ ডার**ঞ** ওদীর আলিহৈতে আমিপড়িন ডফাডে ডারপরে न हिलानि किरेड्ण लम्हारक क्षण्डिनया माहारमक কোন্তেস্থান। নাজানি ধরিয়া লিজজড় ফিলবানেঞ্চ কিছবে ক্রেম্নে প্রেডাইর স্মানের তিক্ষরমালি বিনেজিউ নার্চে করের এ বড়পেরেস'ন থাক। ভাএর লাগিয়া। করেন বছা अाक कारिका इंटेग्नाक विकास अक्रम प्रशिम बाइक হানিকার তরেঅ।সি কহিতে বাগিলার গজিংস ফাঁমড়ালি **उक्तत्रवालितः वान्धिता वहेन आमि (मधिन नश्रद्धाः ध्र** র দিলাম আমি আলি তেরাপদে। ডলাস কর্ছ গিয়া পা (इ शिवित्राविक्षणित्रः) स्थानिकः नास्। (भारभव्याप्रजन । (नक्। छ इहेल उत्य खाइँद वन्तन कि छ। या म लक्द द बादि या उम क রিল।কের মহালোকে থানাপানি ভেগদিল 🕸 কেন্ত্রকে उन्हा विदन कामना वाहिट्य । (कञ्चटण 'उक्कार व्यक्ति अग्रहा কেব্লেবেঞ্গোক্ষে ল্কর্জত মুক্রেভ্গাই ক্লেক্রের ভাৰতত চাড়িল স্বাইট্ৰেমন স্বয় একম্ফ ভেলগাম চুলা শিয়ার বেটাঅভিকাছভারনামট্রবড়া জেরভারপেই আলির সে মানা (চ্বেকালা পাগ কবিটি পরিধানঞ্চানিকা ড্র বে দেই পৌছিল মাসিয়া ৷ পুছিল হানিফা সাহা তাহারে (मृशियाक्षाकावादेश्टक बालेटन (एकः किटमत वाहिटन । स নিয়া অভেকার কছে হানিকা ত্রুরে গ্ল অভেমপান ভালাম ত সোনমেরাবাত। তোপান ভব্কের লেপাআছে মেরাস্থ ভ শ্ল অংকাছ আমারেনমে সোন অংলমপানা। এতবলি ডা न्य, श्रिक्क श्रक्षाना विध्यविक्त तहूरला एव (१। छन्।

ন্ত্র ৷ তেওিনে ভাইকনাখালানি**ং আলারঞ্চল**নিয়াছিল্ডুকে त स्थापनारमञ्जू । ज्ञाम म कतियार **ए**वेड अखिन स्कार क्रांच রাএকলাম দস্থার ছওলে সাবেম্ভি ক্ল লড়টে কাম নাল্ল-প্রাপন বাপনা পিয়াপারগদ্রিদ্ন । স্ফর ভাত্যা র ভ করিলেপ্র, বনকসাক্ষিয়া আইন আৰি ভোমার কোনতে কং ৷৷চত কমিনাইজানি মাপন্তেকঞ্জেদিন লভিবে জ্ঞা ি ব লিশনে। আমিজেন পিছেকৈতে মিরিমারি আবে १ 🗀 ा अथन शङ्खात्म नमाठातः। श्रून वसरत्त्रः सारश का ्या एएनवातुक्षवाहरू इंग्लिम मार्ट्यमान (मन्तिका ! (भ श्चिमा नि न्यास्त्रा है किरोबंद्र व्याधिशक्ति के श्वीकाल के स्क्रीरात है के ৰে দেখিয়া প্ৰেট্রে। ভোগান ভক্তক্তক। মারিবে কাফিলু ্ল্নিক্টা বলেন ভাট সেনেহ থকর ৷ ওম্মর আলি ভাই খেরার श्चामन (मान्यक्षान्ता प्रश्निया द्वारम्बाक्ष क्रमन । छ। (जासक साहिकानि ज्ञान अवत्यव्यक्षकाक कविक (क्रम 5 লক্ষেত্রি। পালুবালির তরে এনে দিব ভাষি ইএর লিং ভোটেশার ক্টলবিদায় ।পাঁচলিবত অধ্যাঞ্যাক্ষর রুদ্ধান্

वका का निर्माण विशेष व्याप के श्री में विकास कि विशेष के विशेष के

अहरू है। भित्र अटब्रिक से इ. न एरत के कि एक । यह छ। अपना मार् ৰ মহিল।। শুলিভে চড়ায় ল স্বাক্ষিকা জন্ম বিয়াক্ষ প্ৰিয়া ভেন্ত টালক আলক জ পাঞ্চালভান ৷ হাত্তেমক লগতি জে मनसापुर्भागामक्षेयरत्त् कार्ष्यक्षिक् व गाम्भागाम । भत क्यादिस भरव व्यानकार क्रानकार्यात्रवातः शास्त्रवातः । বু প্রায় হাতে ভাষাবারে কালি কড়ে পেটোকালী পু যা এর ডাল ল ক্ষাছ তলিল তোরা দলপাহাল থাবে 🗎 একলমেলিটে 🖫 🕅 লাবিধি কদ্যেত্নক্ষত্ৰলৈ ব্ৰুক্তৰ দিল নৰাকান্তে পোট্ ল বাপনি আমে ওক্ষর আলিরেকর চেতে ওলারআনিআ छित भड़िया। बालकार अंशांत अद्योधन अठाईया।बाधाः यू पट्टारेया जार? बिन (अति जातने क्वांनो करत ख्यास का) িপিল কছিবারত ভয়না করিবে তথার অ'লি পাহাল প্রায়ে। क्षत्त वाज्यम् त्याद्ववाका नित्यम् न संप्राप्तक भागम् । स्मृत्य विस्तरसम्बद्धाः वाभियोषित्वस्य वाभिक्षतिरह उन्हादक्षच्या রাধার্মীক আনেশান্ত লোকর পোনার নার মুক্তের সমাধ লা বিদাপুর ভি**ৰাস্কভাৰেও** অনুস্থালিতে ল'ডা স্বাহাৰ সংস্কৃতি কৰাই জিলের মার বা প্রবিধাক কলাম কিহর এছের জাই স্থানির ছ এতর্মন সম্পত্রক মারিল সভাতেইংয়ুক্তা বালস্মান পের ক কিলেরে। সেখানি শুলির পরে চড়াত এছারের শুনিয়া শালকাছ অংশ এক কাক্ষারে। কহিছে লালিল ভবে যের · জার ভারে ক্লান্তভাক ভালাক প্রেরা আন্তে সম্প্রতি । সভাকারে जाफ्रकेन कर्मायके जिल्ला (प्रशिद्ध एर्गामका विक्सा करें **亚德国等**斯文斯技术就在第十二次的特殊的一种创步到于

बाह्य न (मिथ्रा) उट्याकमाक्ष्यादत । छगातका स्थान माद्राक डेथाएक् क्षेत्रकार (म् थ्यु करनः मत्या अनिरम् किन् াড়ে পার্যপর পিরি অবেরজ্যু কেয়াদেকলার্মনার লেগেছেন ন। মে'খ এছায়ে। নাহি ঝানি কে।খা থৈছেলাইল কিখাতি (इ.स.चयुक्किक । विटल छथ। क् कत्र हें द्रभान । है। किसा व्यावकार **७८५ लागिन करिना इक्षरमः न**द्वर । त्रामरची त्रम्कत् क मङ्गाउ जियात बहेन् (डांब्यूटथरिया लाडकेयांवेकाह भाषात्रनाम क दिनाम् । (जा १ (जा गान असः कत्र (न व) म् निका वापमा (त कानिये बरेग्रा कानिसिन् वर्गमद्दश्य । १५ निन् हानिकात य (भा उद्मारत) कथा के परताम एकेन वरणा (पर्शास वासात । ভেইকে অধ্যায়ন্করিতে উজারটারটা লিয়ামাট রাধ্ छाप रश्यादक। अठवांन् एमें फिल्स के शानकात नलकिर कक ব্রাঘভেন বাধাই করিয়া জায়বনে। কেবল তেকরে পর্যায় ভে সর্বভনেক্ত ছেথিয়াকে কের কার পুলে নাই বাড় । ওতবা अलाह विधि भारेन शका उपचाका ह थए जहां भारा महेशा जियात रिकामारमयन (करवेशिया शामिका दापमारतक्रक ব্যবহাত জিল্পে লেখ নিক্সান ৷ কেন চের মোড়া ছি त रिक्श धन्य तक्ष्म प्रत्र (जाकि छनकथ । ब्राट्स विकास ्र जनाई लेश्हादत्र छ। कि प्रश्चिति के अभारत्या है साथ के भारत्य लि मिलिक । विकेत करेया । जनकान ना केन काकक अधार क्षित्र विक क्षित्र क्ष नेत्र व किंतरह के (बाजा योण (हत्र भी व कावारे स्विक्राक्र कार्यकारक (भन्नभरक केन्छ क्रिल्यात क व्यावाकाक करिया दाक লা প্রায়দ অপারে । অন্তেমতে কামাক্তু নাত্র কেলেলের

अकृतकत् श्रम्भारमद क्षित् कात्रम्। एकातः वाणाक करत्वात निम्भे छ । के के के दे जनाया , क्षांत के हे की भारत है । क्षेत्रकार्यक्षेट्रवाकार्यक्षकितिकिति व प्रेण्डेक् उत्पादक रक ! छं भी में इह रवटडे पिने क किये र ने 18 क मुख्य निया कि कि ना हिलाम तथाप्रकार (कांधान के कर्नेड आनकाक महाकारण वाणित बार्क मार्क के अधिया लाए में मा छ छ थ्टेस र व के एका व मार्क छ थ अग्राम्य अग्रहालकः वाक्षिक् क्रिक्षिण क्रिक्ष कराइ कराइ । (मोहियान वसाम के भगान के बहाकर हानिका परिवः क्षा भागित वास्ति। अग्रतिस्वराप्त गरवराण (भनेतासिक्या) ভাজৰ চাপল্য আমিপৌছিলবেহানে (আলফাছেবেকো) লিক্ষিত্র সালিত সংশ্বভাষ্ট্রকহিক্তিন্দ্রভক ব্যারণ সুং লিল এতিহ কিবি এই ব্যাচার জ্বাহ্ম ন ভা ক্রাভেন্প विजय (करप्रदेशको क बराक का ठत देश हा भा । विकास विवास का बाक बाव রলেয়দে: স্তেত্ত বিহালাটি। করিল বাধান জেথা লোগা केवेज्रिक्शतंक्ष्यंत्रत गेम्यं वाद्यतः हरेग् । युक्तः वाहाना **एक्टिन उत्तर मालिया के मरहरकाकात रवते.निवन हा इसाल्य** के भाग कारगट अम्बद्ध (काम कानक अभिकास किएक क्र भारतेस्य मनरमा युक्तिन करवडवा मिन्धिक विवास क्रिकार कर (भग्नामा वास्करका मन्त्रा । स्वित्राचामात्रे यस सहस्रा ভ্রেক্সল্পের্মারে নিলেদকরিয়াছিলবাপ ক্রেন্ত্র্যান্ত हित्जनादित्व कालमालक्षकपाठिक बद्या छनः कदिष्टाद्य व्या थात्रावित्र कि विश्वशास्त्रभन विश्वादम् अव्यवस्था भाषा विश्व ভালারব্চন। মাটেটতেহইল জেনম্ভের্মর্ন লবং মান্দ্রি त दुनिक (बामान्न- शाक्ष क जादरन जात मुक्त व रजात कर

शिक्ष का जना में निर्धार स्थान तुरास्य छि। भा मान सम्बद्धा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान व्यालिक स्वातिक प्रतिव्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वाति । स्वाति (। । (नम्भिया स्वायम् प्रिया एक्सन ज व्यक्त वहेक् व्याप्त विकाश करित ন্ধা নিজর। তেওও স্থতে প্রভারিল লক্তর 🕸 মাজত। লা বৈত্যতি ভেকে কাড়বিকাকার ১ ডিনকাক থোৱা**পান, ডাল** আছু, हात्रकेका सामान गाथनम करने हो निका नामनारह । हो छि थ (इ इ।क्षित्र) की क्षत्र इस्टिक्क किया है। পাইশ্ৰ্যে বালি কইকেন্ড জ্ফুর চেপাইকুস্বাক্ষ্ডিত मन्द्र प्राचेनकेलना । हात्वाप्रहार पश्चित ने किन का उन्नामक्र निका किलान्डदिशनि (सन्यक्ति दिसने परिचान विक् व्यक्ति इक्ष्या र पान् हा भन्न म भार या वका ह स्तरम । सूच्य পাইবা পোছেল লক্ষ্য নিসন্দে এর জিম্বই পদ্রেছে ক্ষরের धानमा । । यह सारक्षा । विकास । লিক্ষে ভেডপিড)লাটোগায়। কেছক ড্ৰেন সোণে করে হাজর क्ष्मक जाश्राम् भागम कानिसाच क्षाप्तरने मान्न कारिका प्राप्त नरकार विशासिक स्कारिक साथ श्रीतरम दक्ष कृतक नाकितः स्मा 新疆的(1984年)。第4 的平住198 (中央中央)(1984年)。 第1**第** 英语(1987年) मंहबातसं विश्ववृत्ताली वाय यिक विश्ववित्त मृटानाहेग छक्करक् क 'कल्यांत्रश्र वेपरः इकाला हो छ भएत । (काका :(कलारक) कला कि बनाम गुरूनकरत ए वर्गाट भागर रहेगा नवरणरत । निर्तिन शाहरक (माभ स्मामाह सकता करनक मुर्गक छ उठकान कम् अवस्य मार्थाक्य मालाकाक भागरकर का ठात् एक से सार्य एक एक स् वृद्धिता (भवाक्षक । वयत्र शिरहेजा थिया आर्थित दे**व्यान्य क**ो **阿特尔·布洛斯(哈克斯·加克德·哈尔特)。列南南、西南南岛,西南**

चेत्रह विक्रियक्ष अर**क्ष्म कात हो जिसे क्रिकारा (इन**) । उर्हे ভিড খ্যাটাকেবল ফাউছিইজনবিক্ষাপনা আপেনি ডাটাকালো ভাগৰ ট ভাগৰাপৰিচয় নাছিকরে কটেপকাৰি এতেলা তেলি कि हा प्रित्निक के का मि। अशिक स्मात साह्या जाना अला कारमके क्लेन म्रजात है एनक उ वालयामा वालालार कड ভাষ্ট করিব বর্মানিঞ্জ পালাইয়া লিউরক্যাকরিতে লেছিল क्याक्षकर बाजकार डाटर लाहारिया मिनक डाउ शहर स ন্ধকেন্ডে আইন ঘট্টন। আজরাইল সোমানবেশ্ছে এলিখ ্দ্রমন প্রাথমন কালিক। দৌছে তারিক করিয়া। বিসাইক িলিভাদার্ড ছাঁড পাক্ডিয়াে⊕ভত্নামার কথা সহদ সাধ ि। यहान श्रीकृष करश सन माध्यत 🛊 अञ्चल 🏰 া বিশ্বস্থালকার মর্জ্যুর বিদায়। হানিফার লিখন স্থ িভার বিশ্ব। জানার্কর ছবের থান্দাবেরজন্ত কথাতার। ভোগা ्रवात किंद्र भक्त अभागति के विस्त्रभणाष्ट्रित स्थान कार्य क ानज । (अधिकाल मुशास प्राप्ति ठाक वर्ग क्रांस भागावि ভোগান ক্লাহাকরিলগমন নাকরে সেরজকি ছুচলের তেনিৰ ্ভার্মের ডা খিলিপাইয়া রাভহানা। নিবারিভেন্রেলো (कर्नुक्रियंभाक्षण मक्ष्यमिनस्मान्यानिया कर्गकरत्। अमा य करितक छ। इंग्लंबेह तमारह अक छुन। छहिरवरक इंगिका ১ চরে (একেন ছমেনা মেরাকিকরিনে পারে ফ কাটারা মা বিশেষ বাত্ত মধ্যের মাহমান। মইবে ভেকারা আছে ব্রুক্ত ाष्ट्रिक के कर्त निर्देश के इस्ति १९८५ अनेपश्चित् । (सङ्ग्र ६४**८५ छ**। ক্।বিচ্ছ আছেজারপ্রশ্রহাই মছলত করিস্কর সকল। বেহা भा दाबाब अरव करकृत करमक प्रकेर के मान मानि आका है।

वर्षा के किर्जना विस् छ देखक संबद्धानक मान्यकि बाह · 由我们对两个的。如何可以由了一种是任务。而《明代》是一种是一种不可以 क्षारिकार जनवाण जनवार (प्रिया) विश्वकार विकास स्थापन कार्या क्रिया अधिकारशास्त्रीमधीन सक्तमञ्जू स्थानब द्वादनशास्त्रन म्भागस्य करते मागत् छेथान क जित्र व वि उन् अहि (१) व्यापन कार्याको (अन्यय (मरधःक न किल नेस्प्रीक क स्वत्यरक स हिन्दा शहर मानामात्र । प्रमान् गर्दिक्ष हे व्हाक मुक्तापात व्याप्त मार्थनदेशम्यानिकात् भरमा । जातमञ्ज्यनदेशम्यकारक विभव क्षित्र के कार का विभाग वा कि महिला प्रस्तु के जा (जय धालिलाकालकान सार्वक क्यान अवन्तिम क्यान चापि राज्यिपारतस्थित। बामात् भारस्त्राख्यत्रक्राज्यस्य हि আয়াকের তর্তার বোড়ের কক্নেম | ককা**মংখ্য**তার নেটা ক্তিওৰ্ণাম 🛊 শালি আক্ষর হালিকার ভোট ভাই। (সা িমের স্থোপর এই লকল ছেপাইঞ্জিলিক্তেরন ফারে পিয়ে। ল न्त्रीर जन्म गरत १ (साम जाग १९६९ साम् । अध्यान छ। हेरत के महिन्दी क हर्गानि । बन (चंदम् छ (नक । तो वे एक भोनक कि द्र । चंदक अल् । भ লের।ওকারবং চাবুকে ছের্ছিল শুড়াইয়া। কার মুখে খাত লাবের জমিনে পাড়িয়াঞ্জকে।পারের দেখাখা ধারে,যে,রায় াকাছারে 1 গোস্থায় জমিন বিচেক্টেক করেডকেরেঞ্চকরেরণ য়ারিয়া ডালে,ফাকিয়াপর্কার হিম্মকারেখাকে গরে সৌ অথ না বাছে ই তেরিগানের একলাক যে ভার ছ'ভার । জেরা পোনে ভাকরাজনভা ভোরেগার্ঞগোষায়কাফিরগনেখিরি ভাষালিয়া : ছাভিল আনেকভির ছায়েতে প্রকিয়া**রেকেন**বলি अञ्चलक रम (मक्तिश्वाता । अम्दर्भ विस्टब्स्किनियम (सम्दर्भ)

A 502 0

ছাতিল জকর সত্র মঞ্জিলেম মোরা। এটরালে পড়ে ভি ক্ষার পর্য়ো ও শেরও ওলির খারে ওডান ওলিনে । সাঞ্ अंक्ष्र कर बाने झारक्यात्य के स्थार्थ काछित बंगे (दे। প্রকারণেয়া : ভাগিলাতে ভিনমন পরান লউয়া 🥵 🐠 ব্রাহিল ওস্তবি করে ইয়াটের পতি। বছর করিল জন্ত **ল** জনু সংগতি 🛪 ভটাইয়া দিল ছোডা ভাষার পিছেতে 🕏 रमायाय मरहत काका नामिण के किराउ 🗱 (काषा जा 🕏 ঢাবাম পোর ওতনাচর দার। জামি ভোরে চ্ডে ফিরি हार अक्वात क - खिरमन (नरमाक मानाम एम (कारन है क्षपि वार्षिया कथा नाहि कर भारतक्षत्र विषया सार् छ (कात छाटत । वा उच्यत महहव लोहिन छात्र नरत 🗱 क्रोहिए। इक्व कान एम कहि (१९८३। श्रेमावेट नाहिला রে কম্মীন নিকটে# অভিকোতে ভোট কৈল মাছের উপন্ন खहारक में अंडिडार निय प्र नश्त के माप्त मारिस (है। है लाइ काले हैं जा। क विरंत शिष्ठण शिक्षि पर पान कड़ेशा खनतंतिम अस्तां उर्व चार्यास्ता (स्थारम । साकिया कहि क्षकिल श्रीफा वृष्ट् काताम सं एप स रहारकामठेलि गिपि ब ্রিদ পিরিতে I ভেকরেনে সাদ আছে ভো্মারে **দেখিতে** ভিনেয়া কালোর বিধিনেরা যোরাইয়া। এবরাছিলের মো কৈ বৈলা রহে পাড়। টেছয়া ও মত্রিবেগে এবরাছিয়া আমি য়। পেটিছল। ভেঁহাৰ হাকিখা নেজ বুকেতে মারিল 🕸 টা লভে নেজার ছড় কেরার ওতার গোসায় ছানিতে চো ট ৰেয়াদ উপর জ নিজ ঘোড়া হৈতে গিবি পড়িল অমি ৰে চু আছিল করিতে চোট বোড়ার চরনে 🗱 ক্রেছ ওস্ত র পুত্র প্রনের ভরে। পৌছিয়া খন্তার ভে মারিল ছাভি পরে 🛱 পিট হৈতে বাহির হইল মে গঞ্জর পঞ্জিল ছে

আফ লিপি কমিন উপায় ক এক যক্তি অপান্ত গেলু মূ পা अ।। भारतिष्ठिश्व रशवितित लितान विवेशः है । धारते व्यासि লোকান ওান লিয়া তাইসনে হোতির লাকর মান্ত্রেলা ুল কোনে ক্ল যেন মন্ত কাডিখন পগতে প্রতিয়া। লগুভাই अस्तित्व करिन कार्यक्षिया के निर्वा (१९६० एडे) (अन्यन) (एक जिन्हान । अयारश्रह अखबाटक शक्ति । कराव क्य ছে বৈয়ারতে কেছম ডাব ভিতরে নিক্ই করিটেরটেন বনে রুক্ত খার্ডে চর্ডে ও পরানের জয়ের কেল ভূবেন্রই ক্লেন্ এমন বিপত্তরেছি দেখিও কাসকালে 🕸 ঠাইন ন্যাপ্তনা रेक्न ब्राजाः । भारत् हेन्द्र र शीधरङ आगाज हिनानीम 🕸 र জন লাগিলভাই কেই কার ইন্ডে ! যোজাল্পো আর্নানিক্র লা ধ্ৰাঞ্জাৰ আছে 🗓 বাস্তুতি ডামাম লোগ আইমে ৰপাসালিতে টুলোসাল কৰিল আনি হানিফার গালোঁও বদত্ত কান্দিল মধ্যে হোড়েনের মোকে। ভবেত হাভিছা लाम् कब्रिन भवादक । कात्र वाकाद मुकदल्व महिदमन्न ना म । करिण करिउर्। शुद श्राक्तिः अया । ज्ञाहरवज्ञ अप कुरण छत्रमारकरण । जरम अयोक् रकर्ट् रहारहरप्रयमकः यहाक्षर भारकः यक्षिमा आहि।।

्रियाह इत्य । स्वभाउ जाशिय उत्य (मह क कम्मान ! भाषा स्था के किशादक स्थित महावाज ।। स्थित कम्बद सा भारत महिल कान्सिक। स्थित क्षाप्य यो के महार विशेषा महिल महान (भाषा मिलिशा क्षा किशा कर किशा मिलिशा किशा भारत है, (यथादम ।। (यन विभवित स्था नाहि (मिलिशाम भाषा महान महिला किशादक क्षांभान (यमिता) दहास (अया महत्वन देशा किस (भारत) (कान देशमाकात कांद्र व (स्वर) भावित कृतकम् स्व महिला (स्वान) कृत्यु (कप्

विकर्ष है न वर्ग वा अवस्था में अभिने अधिक विविधिकों हैन ব্রেসাম্প্রিক হিবেছ কি হালৈ করে অসমামান আদিস ক্র ह के स्वाह संस्कृत महीर के। विश्वेष र जिल्ला मिश न केंद्र सी मनारक ।। क्षांस श्रानिक, मनंकर अभाई १३ तरन । वरेषि ন মোকান করিল সেই খানে 🖯 দেখিল প্লেমার কেন্দ্রন আইল লড়িতে ৷ মহিনা গুলিল স্ব লক্ষ্য সহিতে 🚓 🐠 वाहिम अस्त्रे माथपन मननियः। मनिनीत (न क्रिक देव ह विमालिया 🗱 राष्ट्रधानन स्वानिक है उड़ा रिक्शानरेड 🕒 बार्डि তে ছানিফা সাহা লন্ধর সহিতে ও শ্বলিগা বক্তালা ছাঙ हिल ग्रामिनात । मर्य व्यास्थर एकिट्ड हरन क्रानिकान सेरले রারত করিব আসি মার্কার গোরেতে ! ভবেতে হার্কি ফা সংগ্রাবসিয়া সভাতে কর্জেইকণলে স্থায়তে অনিচলে ल ते हुं को है। अभा भा का एक न भा ता एक एक में भा के कि कि का अव्यक्तिकारिक (क्रमेर कार्यास्य । व्यक्तिसाम करिया नर्गे व গ্রিলেন স্থিনাক্স প্র জেই রূপে গবির এতিম জোপ জনে মন্ত্রা ক্ষান্ত্র বিবরাক্ত্রিক পর্যানে 🗯 জেই ক্রপে বিচার 🗭 शिल व्यापान । वापमाने कहिए उन निव शिक शहारे **करण** ়েড 🗱 অেইমতে দয়াছিল হাছেন হোছেনে। 'সই সব ক था। वहाम करत मेंडबरन से कहिएकर चाहू ठाल वाथि है এট । বৈজ্ঞেক কৃষ্ণিন সৰি লাগিলো কান্দিল্ডেঞ্চ ভূবেন্ত জানি क्षा अभूमा विकार विवाद ता । मापिमाव यह विदय मामाल গোলারে 🚓 নামাজ বাদেনে কবে থতিব হুইয়া। (থাড রাংগড়িল সাহা নিষরে গড়িয়া 👙 পছেলা পঞ্জিল বছড় ভারিক খোদার চেত্র পরে পাড়িল ভারিক মধ্যেকৈরিও ভারিজ চার এয়ার নদ্পত্তিল বিস্তর চথমানের ছেক্ড পড়িলভার পর্। তবেও কান্দিল সবে এখার সম্ভিত !

দেপিয়া মদিশার লোপলাপিল কান্দিটেট্ট ভবেদ্দিনং 或《新作用程序》在《阿尔·[A/图图》是所谓 新闻新游组 ত হিছা । বাধারধানা হারাত্রভালারকার্ডটো আর্ড মানিকা ছেব্ড প্ৰেক্তন স্বাইন্ডাই 🛚 জাক্ত স্থানিকার , শুণ জ্ব क्षित्र ५०० । (सम्बद्धाः । उत्यः शक्ति । अभार्य शक्ति ।। कारश (क रहामाञ्च भारते क्यांच त्ररका । लाक्किश ना वि ब रहाकारा श्राद्य ना भवि ला। मानाश विर इन उनका । देशक प्रति। शारक्न (काःक्न दिराक्त दिरान ऐस्यानि एउम कि ।। शासिकः वरमान (क्यान) का निता पाप्ति । स्वराकाद्वा दा বেতে আনে লবা ভারে। নামা মতে ব্যাইয়া কছে সংগ্ कारता समि बाह्या करते भारत अमाम बाद (ते । मापना স্কুংরে জাত বর ভারের ছিল। খানিফার ভূমামেতে তৈয়া ब महेल भूताना मधरन केंछ (कहारिल हिन)। हाबिएटम हा ার জ্বাক্ত পর্যাভল নিসান্য ভারত রমুক আ্লিয়ারত হয় निकारन । (पथी पिया करिएड विशिध कुछ उ उरहें !! अध भाग ना तिन थार्गविद गदाकारत् । **रहामाधित भागा** भ कांब्रटक (कवाशादन १) (मन मा कविदन (एए) विश्वदन বোষ্টের ! জাবানা গড়ল পাড়েখনের কল বরেন। এডক্রিয় প্রধান কছিলদ বিধার (বেচানে স্থানিকা কিছেস্কল জারস্ত্র রেঞ্জনিজ এপের বাজনাত । ধালালিত হ। কোমার বানিদ ल भाव राध्यक पावटन के तबू देवत भवातक तुनकारन আছি ! একিন মনেতে সবে নিজ জুগু, ঘসি ।। ভবেত নৰি स्रामास्य १६२२ वर्षान्याः । एतिसः राटमसः । ब्राष्ट्रा स्रामिधन मार्थाय कथारेटङ जाटदात नाम विश्वस्या सह । व्यक्तात्री रते व्यायत्र जन्म कार्यक विवस्ता के स्वयं मा व्यापत कथा है रम जारमात । अयम अश्राज्य करण मिरश माधू यत स

ा ज्यासम्बद्धाः मार्थितः सार्वस्य क्षांस्त्रीति । हाराज्ञानिक लस्यकः ' भ्यानकावकावेस्तान विकास स्वित्रकारम्य जिला चेत्रक लगाइ बाइनिया के मिक्स का करें है असे हिन्तिहरू<mark>का अव्देश ।</mark> सकिव विकास (प्राम्हरहराम किट्स <mark>क</mark> किन हे वे अह मान अवन एहं एका क्रिक्स विद्या है देन 轉移。(對明何時間,與陳節河神經》,可如此中國對於 स्मक्तिवार कारण । (वस्मकाय प्रतिकार प्रतिकार । वा अपन स्मिपाई ই ইণ্ডাইড়া ইংকুড়াইন জার ভারেন্চীমা হণ্ডার আছি केर्र व छ। उभरतं चयतं याणि मंद्र मके छ। हे दिखा। साथ बेट्य हिम्हा ब्रीत रहेवाहे का छात्रमध्य छात्र भवना द्रामक क्षेत्रम् । उत्तर जायां व भागि जानि जाने व असाक्षर ছিলিক। পিছে দেঁলল খাপনি। লাকাত্রের শদ্যাতে কাত वे क्षित्रमि 📹 विश्वंशत भावत भन्द (औ मार्ग भावते । वेवेहा ক্রিত্যন্ত্রতের ত কিল্ড আলিবা ও ভার পরের তেলাবনর গা काल ज्ञाल । र जे के व कर नहां कर है। इस अपनि से प्रति । कात बाक्षीं वर्ष छ एता हैया। पान्य हैयन सानिकारक [भागान अर्था के उत्ति कर्ष थे नार्वत व एक बनावन डिमार्ग प्लंगीन ज्यापि अंछ (वर्गाम्ब भक्त क्र उत्पन्न स्वाप्तरा त्र रक्षा शंक्षत्र व करकार **छ छ**तिहा तरस्याका उस रका भरमा किएपिएन इटबारिए मारमक मश्दूर । प्रमान म वाचि स (क्रम्बिक अक्टान के किए को नोक्स एका के 1916) के क्रम् भून विकार कि वेशी केन वी जिएन मानियान व्यक्ति वा करता उससे शास्त्र भीनियोगिनमस्मि । त्याका अस्मिनम् अस्मित्वा नका ৰে II তেকৈত হুৱ দাৰ অবস্থানিকালেত মূল স্থানিম এলিছে। रिव मी दिनिक इन्छ छ (इन्डोर्ट इन्ड असम्बन्ध भारम स इन्हें) अधिमक्ष्यां काणिएना सर्थ (मिध्दक्षमः शक्ष्यानक

्रहेकशास आहिया (एनकारस कार्या करकारक पानिया) अधिय शामिया छोट्न माजित्न समित्री व्याउ । पश्चाक ल क्षिण रक्षाभित्र कहिर्द्ध क्षिमा बण्डरात विश्वास्ति स्वास के स्वयंत्राहम । अधिकाल ग्राजनिय (ग्राजनियमिका कारक आहमात कारक छात्र । बार अका अधिक विकेश अका विश्वक रक्षेत्रपुर य रिश्वकाला मन्। त्यां सुराजिकात्र रिश्वन विश्वत विश्व 等。有特别 有性的 有关和特别的可以可以等于要引用的特殊 可分析不 實內上,我們不多原則何時) 对。安徽縣在廣傳等時間,從《東京學學學 क्षाप्रः मुक्क व व्हेरक । व्यानिया क एक्स या छ ना विक वृद्धि क्रिक्क बालवणाता हाथाम् छ छन ध्वल मिहा। क्षेत्र हिस् আলিকাম থবর ধাইছে এ জিনে পিজিড হয় জামুর রা मसाः । यपटम वाहितम शक्तिभिक् वाहि हो अक्र-हा विक स कृति कां कि अरम कांग वास । वार्शिय कि कि का अर्थ (स পিনু নমরে ৫ চাবে আরি একজনলাগিল কৰিছে। আই न भारत लिहा (कारवेल व वेस्क्रिक करमज (कारकपात एकरक् क फ्रमाहात । विकादमता परिष्म् माराजाक व्याक्ष्या व व्यक्तिमा লালনি ঘাটকে দেকিন্বকরে বিভালাকার্ল ভার দেরে। 🖻 ४ वर्षात्व 🕸 उत्तरकात्यम् आहे सक्यात्र हेश्स्य । हाक्ष भारत का उपाप्ता व्यक्तिन के विटि के अनुसार में कि देशों के मः एकः । महेगः भावेताः त्यक् कव्याप्त वाश्वासम्हात्वे व र्वेट्ड छारेकारह ए यातेल । रानिकारक (काप्रहाद्ध-क बिट्ड माणिवाक्षेत्राच्याच्याच्या हाला वृद्ध भूत्रास्त्र विक्राच विभाग व्यास्थात जाएउ (कार्तावशाक शास्त्रास्थात जाकेरम असिक भगरम । जवातलतिरू विभि ल्याहरू विभएषु उरवरम बाधाम कर्रकश्रमाक वाविषितम । इत्वरम श्रीकाम नाउम्ब वाद्यादादम् छ विद्या श्रीनका उरव क्षेत्र स्थ

ভিট্ ৰত্তিত কৰেন সাহা এয়ার সন্তিক্ষকতেক বার্ষক আ चिनएन अकेठा है। त्या हा झालि पाया गामकि है भारत सके क्षा गामगीय काम विरिक्ष किकू या विशिध व किन्छ अभिजायेथी। में किन् कि कन्ति । केल्पनान य य पूर सानिकाब कथा । ए विदेश अञ्चास्त्र करण् त्याटण घटनव दिया से । 📂 . 🗠 📑 म्हाळाष्ट्र होतिस्हात पारमकात लगाहि । ; ज शिरात से करवेड सरव्य कवा के जिस्केश छ । कर्ड शीख অ পানা কৃতিন্দুন মেরাবাত ইতেনার হু স্থা অনিক্রাছা बल्द्य । ऋष्टिया यानिस्या व्यक्ति स्टब्स्य वार्माद्या से लगा शासन्त्रभाष् भाष्यकार्त्रात्राहात्। बाल्लाह्मभाष्ट्रभाष्ट्रात লভাম বি ওমারকালি উঠিয়া কহিল বাডাকৈয়ন **ক্ষের** का प्रयुव वाचिन्छानिय पातिया । कावस कविनास्त व अ हिम अस्ता अधिन भाषात । श्रीकार वाल के के कि বেড ভোগান ভোরক কংহছানিফারে ৷ বান্দিয়া আনিব আসি কাৰিস বাৰ্লনাৱে 🖝 শুনিয়া হানিফ বড থোসাল चछात्री कविरक लाशिल विकृत्रकथ कत्रपादनक्षणिकार क्ता भाषि विक अन् शहे। वृद्धि भाज सुपार कतिरक्षेत्र भी ্ইক্স এডবলি ছানিক। ছেহেটটোর রহিল লিমি। মোডে -त्काणा कविष्ठ माणिवक्षाणामात् छन्न विवास्य व्यासा (स्ट्रेन उक्तिक एक्या किया अध्य अक्षात्रक शामिक क ংকিল কেই আছাকরমনে। অংকিটের নিলেদ ভালা করিব : (कम्रामक्षणाञ्चानि शानिक: हत्त पाट्यकत छ। १०। **यामि** ः सः (योज्य टेक्न सङ्ग्र यज्जित्य 🗱 प्राप्य क विकट्डे टेक्स াইট্রিকার লক্ষর। এতিদ কম লাত তবে পটেল থার রাক্ষ व्यंगाचाय अक्रिम शिथि बरण बाहर अमुमार्ग्य (सकरण चाहे रम उपनार एथात के समानियः नारम हिन जर थाएग

জান। ভার পর্যক্ষেম কিছু নাত্রব্যাণ্ডপঞ্জানিস প র্জন্ত ভার সন্ধিরে প্রেমান ঞাক্তর্যকেন বিচপুড়া বাদার কিরিসামট ছইডফ্ হেনডার নামারার থোলা। মেদের श्चमय भवरका करवाडाई गुरान्त्र स्वासक्त किएन कहिल शि विकालियार। यकिया कस्पामास सहस्थलेक्स्यक्षी দা কভিত্ৰ ক্ৰমি পাবু মাৰিকানে। স্বাধিমাক বলভবে কে। व भिरमन उरस्करमा किया व्यटक छनिया मम (চार । वर्षा াজক সোডোপায়ে ক্ইয়া কণ্ডায় 🗱 বড়াএক পাছ গিবি বিল ' किशाज्या । शामिकात नकात्रक भारेन हिन्याकेठाशात ज्याचन स्मित्र स्क्रिय क्रिकातः। अभिनेत्राक्त मध्य कानेस তে বিক্লাপ। বি ভূতার একত্। নিফারপান। ছালাস্করিয়া अमर्वे हार्थि क्रमानक्ष्मानिका रमिक्टाहा स्थिन् (था व्याप्त राष्ट्रीयका नामा विश्वाय क्कत स्क्रिक्ष प्रकेशर क লাপ্তার ব্রিয়াংল ক্লোরে ৷ পাছেলা হান্দিরটো ইব্লাকিয়া । भारतक्षक्ष हे था ना हेरू वा भारतक्ष विदन शक्षिक । स्था बाग्न वला কি পিবি হাড দারাজিলট কোমবের দেওলৈভার পাই য়া দিল হাতে : বোড়াহৈতে তলিয়া বোরায় নিজমাথে अयमदमादतरङ विदि पातिय काराजा जित्र देश्यां भारक চূর্ণ হৈলহাড়গ্লডবেনেকলিয়া ফের আইল একজন। সেহ ভ বেহেন্ত পথে করিল গমনপ্রএকেংখাইল চালিস আছ े चात्र। भकरन मधिम रेड्सवाफित्निन चात्र-४ च<u>ाधरमं भ</u>छ क्षान পঞ্চিয়। সেমরে ! चाहेरत (সবার্ডিয়া রাইডে ন) लाएवसरमंचिया श्विका करश्याणि वाकरात । शाजारेक জ্বা কৌলকাদেখন গেরাদেরে উভটগিবি অভিসন্ত দেয়ারে ভिनिष स्थानात्रहासस्य कडहाई। इसाबिल्झ बक्वातरम्बि । वरम्रकदार्। भार्गन जान । युक्ति व्हाका करेत्रहेता हरन

নম শ্রু থল্ড ব্যাদার পরে ক্রিন্ফা ছন্টার ৷ ক্রের্ছলিল পর্বাং বীর্ভাল তাহার 🌣 হানিকার ভারেছে নে**থিরা** का करा। माहिन जनचार विदि (शक्तातन स्वया क ানত প্রের পরে লইয়া **এখন** ৷ নহার কিলার দেখা াল্য কৰিব মাহোজাৰ ও ধ্বিয়া ছানিকা জন্ম বোড়া ্ড ,ভালে (শোষ ইল , এমন রাখালে বাভি চালেশ াখা ে কমিন পারমারিল কায়োড় ৷ কেন্থানু বংল্মত ्रेर व्याप के (माध्या वावेश करत रख्ना क्या वावे। जिलाका व्यक्ति विकियं है । इनि के शकां निस्त াল পরির ভালার বৈল্ল নিয়া নামভার রাভারেখারভার ১ সিত্তে বলে স্থানিকার তরে। সেতাবি আপন নাম কছ ाधादत क मज़डका भाजित (दि), भव धनताम । कृष्टि কালিকার তারে \ভিনিমের ডাবে মার মারলাক **হ'ও**বে 🎝 মারিয়ালি সভক্তি কহলে আমারে ৷ অইব সভার দাছ আরিয়া ভাষারে 🖨 হানিফ। কহিল ছিল কর মধোনার या वसाक (भारात करडेक इत्रात के करिए मार्विका র এর্থাটেমেনে প্রিয়া কাফের গিধিললিক আগুণের া গুল পারান জমিরচে মেরাছাতে। ভবেত লড়ক সিয়া ত সংঘৰ সংগত ও এছ টেল ভলগার খে চিরা মারিতে ১ ४ 🏥 करका उन्दर्श अक शास्त्र । ताल हारलहरू (प्रेंट ম ার ছবে গালের ৷ হাজপাও কলিপিয়া সিবি পাছে কমিত े (म अ (मुक्त जान हरकार भथानि (क्रिकान । नारकेषुरथका क्ष उन्न वर्ड (शाहिकान के क्रिन्स) पानि शिषि है। उनस् भरत । (श्रीहर्मिया हो। ग्राहा श्रीतन उद्विक्त कि 🗱 । स्थापारत माब्रियी माठ स. बंदन प्राणिन। (मना) । (अहेकान पास

াত পাৰিল জাহাৰ ৷ 🦓 : হানিকা বার্থেকের মাধ্যা, জনক্রিয়ার পিছে ৮ মা কৰ্মাত গোলেছিল সেতি দ্বামেন্ডলৈ সতি ক্র का का भाका विकार अधिक वा व मान । एत्थि एउ अधिक विकार ভাজাত ময়ৰ বে জ মের জাকাছল বিছু কিবল বচলে ৭ भिक्त देशक स् । एक्स अरम महाराज देशक रहारक र रहे েক কাজেটিছাল পুলৈ সক্ষম সিভি আইস্থ হিনীবভাৱ ক্ষাই বৰ্ণকৃষ্ণ ক মান্তিত বছল। সাইডিল স্কেছিল ্ ৷ জন্তি লক্ষ্য সাহত বালেকেলতে অংইল কিছিয়া ৷ ই रिति । त्यां भारत ना व (पा.स. १५०) (का.स. हिता क विस्त्रे ने किए. मार्थ । व्हेंश्वर्यास्त्र व्हेंना । । वर्ष्यु (भ्या क्वा व्हें के हिंदू होत দ্ধবিদ। এক হেতার হারিক। আসি আপন পুণরায়। পুরু া নাহিত শুপেথান প্রনিখায় ও কেল্বলে দুইঢ়ারি রে: ক্ষের ভিতরে।, মারির সভরে আর রাশ্বে কে। থাকারে এ नकाचान मुख्यात हतरत्व अन्ति। हत्कव बाह्यन वाह्यन িরিশাপ ভালি গুলুধুন আলপুন ক্তিশুবৈ রুস্থায় চুন্ मं र मभन । दिन्सा (एक) क्षेत्र अधार के , शहरत न ियन ७१व स्थितात पर अस्तिक नाशिन मान कार्यक क्षित्र व भागान भागार । यानाकार । साम्बर । साम्बर 통(라이) 제 의 기준 속(항 플걸리) 속 경치(리휴) 속(인취 최종) (영) - अनुभारे खुलिश अर्फेल्ड एउँ है। है और अर्थ प्रदेश में अर्थ ্রাল বালি বার্থীর বিল্পের স্থাই বার্টীস্টেট্ , জাজিপাটে প্রিমাজিন প্রাজিক সংগ্রাহার ইয়া বির क अभागत के का का का मान विकास के कि जिल्ला के कि जिल्ला कि जिला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि का जनकात । चळात्र सुराश भागा मानाम्। याहरू भाग ्या कर भेरवां है। स्वार इस्ट्रीयिशाया खब्दा करो। इस्तार शिल हिना क आ में अप नामांक हिन (काहेदि छेशदर । ही

निज्ञानी पेट चारिटेश (प्रशिक्ष सञ्जात के कि शिक्षांतरिक कि वि গি এইমাৰ্জিব ! মেৰিমে ডিলা হ'ল আংগি ওচেক क्षा तकात नो इन छा। काल स्वापना के व्यक्ति नी व मान । यस अ व्यक्ति साम अविष अभिन समिति । है छ। है कि ब्रु भएम ना विक्रिय के करना श्रीक हिम दिनिश्च का न 'रत । रहर मरके वा निवास आमितका अणि में देश है है है - कृदिनिज उरद जिन्निय बादि। (दापक्षीन बेदिकीय शक्ती रकामान क्र'मुनिया शाहेश कति (भागास मिक्ट i आउँ শি গুলোনের গোল্ডানাড়ে ভার্ল্ডের্কার্টাকিন্তা কহিলক্ষ্ বিল কংশিকারে চাই। ভাড়াইর। কদিকের আইফোরে ছে পাঠ ঝু দালোক ভাষারে পৌছে লক্রে উপরে। আলেই ভি: ভেলিটা দিবে হালিকার ভরেঞ্জানিয়া হানিফা সভে चिन निश्चा लट्ड । जटना छ या खरम्देखरम देघ र छ १, मटन बार्ट्स क्ष किहा कहित शांकात्र श्रात मकान विवालीय क्रिकि ল্ট হা পন পরমাদ ট এতেক বলিখা মহানে কলিয়া ছে ছে হণকিয়া যারিল 🕻 ব্যবিকা মারিল গেডের ছোরেটে থেচিয়া মিরিলো অফর গেল দেখেনি কটয়া 🗱 ভাষেত্র था नगर्काक । विशेष करिया करिया विशेष विशेष विशेष আয়দানে # দসমনের ভার গোতর ছিলভারের।তে। পরে লা সারিল থিবি কানিকারসাথে ইং মই।আদ হানিফা ছে খে সাপের্যাবর । গোড়ার চার্ক মারের পোর জের উপর হাত হৈছে গোল্ড রে পড়ে উপটিয়া ফের প্রাইতে জ नि हार्क्सकेरेक्यः। रक्षेरेक्टक क्षिया भागिन जान्यिया भिर्मा म भरेगान (क्षत (यह प्रशिज्ञ के भवासी)। विशेष कथ्य কিপংশকরিক গ্রহন। দেখিয়া দলক দক্ষি আইক্ মুনুছ্। रिंग के मिन्ना करिनाक्षर है । विकास मात । के जना के सारह ्यात स्त्रदर्कामात् । भूमियु एवक्सम् काल्सम्बर्

A 37 A জে ৷ জোহরতে খেটিয়া মারে হানিকার ছেনেতে **ভ**হালি हा नहेन व्यास्त्र होत्तर डेल्स्स । व्यालगणमानत सम्हर्ष টিয়া তেমতের 🕏 ছইজাক হইয়া গিধি জমিনে গৈরিব 🚶 हातः स रहेग्रा रक्षन भाराफ भिज्ञक्र उदयक्ता आहेल हैं র্ভি পাহাল তান। সংবৃহানিফার হাতে হয়ে।ইল্ডান্ডএ ক্ষিদ্ শাক্সিয়া বলেনের এরে তরে ছোনিকার ক্ষেটনাই এ है जब हुँ ज़िक्क वाज्य दे अस्वाद्ध भिन्त युक्ति स्। । अरक हे লুড়িকেনে ভালিবে মারিয়া ই এডগলি বাহড়িল ক্ষুব্ল सक्ष । शांभया चारेलाउटर श्विकात प्रमास्तराम जेलि ম জ্রানের্ডাটিরির তিখিনে লক্ট্রিরাপড়ে একুসারে ্যনিকাশকল কথা ব্ৰিয়া সেমনে (ক্রিয়া চাছিল আ लि कामरत भारत के करिल शांकर शांका खींच बहेगाल বালড়িবে ভাইমর এমারর বিনে 🗱 এজিদের চভদ্মলা क कार्राक्षात्र । जास्त्रर (श्रम्भामा जार्क अकर (माणात्रक्षेत्रद्व ্ষ্বর ঘটাবেন শুভয় কমিনে। হানিফা 🖫 টিল্রেন ছেডা श्रुः भूभद्रमध्ये।यस्त्रमभाग्दाईण हागरमञ्जू भीरम । भिक्षितम् ন্ত্রধ্যাপতে ভাতির স্থালে টক্থন ডাহিন বামে ক্থ্র श्ववाद्या अभवन्य र एन कथन विमृत्य 🖨 अधिरमूत लाग् জন্ম হয় লোমার সিবাকারে লাগিতেছে লোইছামিফ্ ब्र १६ छदवसानि याकब्दत अभावा कविन। भन्नव श्रासान লোগ বাইয়া পড়িল এরছুলের পদচাই রাখিতে আলন। व्ययम अम्राज्य करम् পाहाणि वहना 🗗 ত্রিপদি 🗱 ক্র্বিক্রা এসারা করে 'ভ'ইআজি আকর্রে, পড়িবেরে জ্ क्रद्राश् प्रत्न । (सम्बद्धार्थित कारण) माध्य उपरंभ सर्ले, कृतिशाहरका विजय भवित (कार्राशीरत । शिनृदर्व या शास्त्र प्रदर्भ अक्षान माहिजारथः उथनि भारतस्य उन्नानास्त्र 🗗 श्चारक्षम क्रिएएन (अहरू, द्वाराज न) करत कारक, के महिक्क

1 to 1 to 1 to 1 व्यव्यक्तिका । दिन्दिकार्याक्ति वर्ष विद्या बाटक वर्ष (हर्राट्डा म, देवसार र हर्ने व (क्ट्रंक व वार्यान म सन्द (एउ डाल उपनि वाष्ट्रिया छुनि करन । युर्थनार व पद् कि सम्बन (पर्वारक्षांकि श्रीनकाय पाक्सरामान के म হাজ্য হানিকার ভাইঞালি স্থাক্ষর। আরক্ষত কারিল इत्सात । शहर्वाण क्रक प्रथमि मटलट उ.माविया ब्रह्मा का কত তাতি আছাতারট্র ক্রিকা স্থারে কয়: কর্ফেরে না क्रवाह व श्रीव यूक्षरभूत (क्रोबिर्म । (क्रवेग्राहर भाव ।क्रिया फाल्य मिहर (स्त्यूपरेशार वा अवशक्त कि वटक व शाहन के अधि व (एक्षिप्र) छाट्य विकाशिन ध्यक्ष राज्य ने मूर्य किया नाम् बार । सामृत। श्रानिको हरून, महेरक् भागात यम, वाशात (म (मृत्य कृति भारत मस्ति ● (मक्डी सिनियाव) के कि खनव्किका वरकाम मारकामात व्याह ।। व अध्य छ । হরে নাম খালিয়া কনয়ে লানিফার এই চোটাভাট প্রঞ ব্রিদার। হর্রে রুম্লে। সেরখার আবেরের এ কল। সংগ্রহ कदमभारत हिएशारमध्य कारण्यात्त्र मरग्रेशन् प्रकारतात्र (स् ल्या गर् व सम्मे त्यत्र । स्ट्रां स्ट्रां स्ट्रां मा क्रिया करक र भना यो अस है। न कर समाजरमहरनासाई गई कि। १ उपम नक्त स कि भरवरेज्या अवस्मापि काविकात्र को कि छ लिया से स्मा ভার কৰা শ্রমি, এজিদ প্রমাদ শুনিং বাক্তি বলিয়া কার क्राएक के भारतास्त्र कृष्णत थायः भिरहत रका नेत्रायः गातिन क्षिक्त (बाहुआ) शानाय शाहेन शाना वराजीय व ফবান বাছাত ধ্রুল ছারিফার ধর্টুলের পদভাবি জি र्णोप मध्य कविन्यगम् वज्ञास्य त्रम्भागः ।स्यात्ततं श्राम (कः (को दक्षाराम् (बराग्रामः वनम् व विकास क्षासः कः পরার টেল্ডাইনিক্রেক্টমে আইল বোসাল বাতিরে **多要平均均形式不可到时期的重要的,但可以**

A 625 44 কৈরিল এনাম বিচিল ডেপর সামাই থেডিয়াটে কা िए (इ.ज.हा जे जिए त्र जिल्म हिन्दित्र। जे जिल्ला । एक श्री कीरान माजिनीय (एए छना के जिन्ने गरी देश दिना कि छ। कि ৰ্ট্নিকি : উপ বামারিবিভানিকটি অ**প্রতিটি প্র** জীক্তি প্রতিটি লীভাল বেরগ্রের উর্বেশ কভর্মীভার্কারে মার বিরেছে শ্ वैद्या के रहमदू जिला भारत हा निकास मार के एको बिम बिक वंश कार्य माभाविक हिएक के जिल्लाक ए। विभि किन किन विश्वपाति । केवरण काइरमान्य नाम निकालात केनकि ভিচল মিড়া কপালের দেইসাকিডভাই সংইম কি কিল্লা क्षीकरम क्षायप्रका करिन क्षानिकित्यका छोडा व स्वत्रारं नेर भ ियल तर चार्छ काछ धाल सेछी विने श्वां के ही केर में छेकित । এখন भिक्षिम बाह्य किएन मुक्तिन में अधिम क विकास्तरमञ्ज मेयमारम् कान्नेयात लिहित चामिनिया ছাত্রিগনে মু এই জু কি করিয়া কে একিছ ক্ফকে বিচত क्षेत्राच रेकल क उरकात शहर है गएमट के बालकात क বভাপাফাদ ওান ৷ লক্ষরে নাহিককেছ ভাছার সোমানক क्षाहिर सारविति व्याधिकमारिक । अखिदम क्षानाम कति व्या লিল ক্রিডে 😂 জুপি স্ত্রিক্তারে আর্থি পারিমারিবারে करण करहर नाममा कि विशेष भाकारत के कविष करिया है মিহু দি চাহ্মান। তব্তাহা দিব্যামি নাক্রিয়ান #ব নিয়া খোললৈ বড়াইইল আলিফার ৷ মোকাবিলা ইইল ৰ জিহিংনিফা ব্যাদ্যায় 😂 আপনার একভাই ভেকিল ম খ্বদানে। অংলিসাক্তর আমি ভাড়ায় সেখানে গ্লু প্ছি লৈ সে হাকিয়াভোঁ কিনাম ডোমার। বিশ্বতিরে আইলে अश्वमीरं न महीवाह क चार्जि वाकवत बट्ज (मानदा करूत शामिकार क के नाम कार्य कार्य के समिया के स्वार क्षामान चक्राहेरछ । येकामकात्र (मेडानरेक मिनेन अक्स

· 語 · 報 · 数 कि के किनदाय (शांकों कर्जा के व कार्क कार्कित में मिशा विश्व लिलाईएक मधीन बाकर ते हैं स्टब्सिया वाकरण करण त्र धात्रा । स्मिर्न (स्थिन श्रेर काम्या मानियान गरिय न प्रक्रेक गिरिज के छ आवस्ति। असन्य व्यक्त वर्ष रवः भा ক্রমানে তার শ্রু পাতৃত্বা বে বিবিজ্ঞার (দাণ্ডিয়া भाजरानव ক্ষেত্ৰ বিজ্ঞালিক ক্ষাৰ এক আছতার টেক্সেইড প্রক हाला इस अधिन। अभिन इहें जे दाहि एम क्रियन अहन क (पिश्वा अविकास कोश नाविष्य मिरिट । भारति विकास क नगर पाईन (ब न.३६७ के प्रियम्ड इस्ट भूक्ष व নিকা ভাবিলনু কি ভানি ভাএর তারে নিপাক যদিল। । আ अकार किष्यशास्त्र सारत प्रात्त मानिकाकवर्त विक्रिति वा ६ ल्लास् अञ्चर्याचा व्याक्तत निर्ध भारतमाहिता स्वाक क १० इसनएक डाहाएक अहिया किन अविनय का हिसाल হুনাও ছোৱা ভার। আনি আক্ষর ফের খেচিল ভলভার व्यक्त ए त्वार भारत गहेश करन । हु वि अस्याकात भारत िलक्ष्मल के (लग्नाम बहेलें (जल्का कार्रा कार्रा कार्रा किहि था का बिरतरक माहिल उन दार दे वारमहरू मुनारम रेश जालिक केन बानि। वाकरते मान विकि भोजन है। লি ও ঘেড়াহৈতে উভরিয়া আলিখাকরর। মারিলাকো মার বিংকে পৌরিয়া ওঞ্জির কেনিভিয়া এজিদাগাধি ইতল পা भवा अहिन वाका श्रीत न्या दिन जनन है । मानरक् श्रीतन अब म्बार्जिपिया। (कडाइर्ड्स पश्चाम (मानार्थलास् ना मसा জকরের আপমান পুরাস্করক্থ।। গুনিতে কৌতুল বাতে। (च. एए सान (वंश के स्थाप सात क्या वंश न माध्य न किल असाम् व कवि ह्यान म. यस्त्र १ मा एकव अस्ति विका विद्वाहे स भशावक प्रकार शिर्माएएय काक् तम् র সহিতে। ফিরিকৈর দিশার ভরেচলে ফ্রেইভে # 🐨

18 St B

रिर्मित्र असे (अलक्षान र के लक्ष विभिन्न सामित्रकरें) विसर्भरक के निरुष्य ने उन्ने अहैं (के दिवा को ऐसाई (भी बहा है) नगढ मध्डलांक खाहलात संस्थितिया (याहित काकातर) खेउ विद्या । का **श**िनिया ने कंडे पारभक्ति की सम्मान भेरे तहें ইল্পিয়া কেরেই আদসারে । বেছানে মেন্টেস কাকা সৌ কাৰিলা কৰে কংগাৱেকৰি হোন্য ডাকেন কিবান। কোন बीकी हिंत पा छटन कल मश्रपाम देः स्वितिशा स्वारिकील नीटिंव ध्यक छता माना । दङ्गाना च चा महमहत्त्व रहा विभागी है के रंग विभिन्न भाषामधान (नकटन यशुप्तादन । (पश्चिमाकामदा) रिवेत श्राह्म अस्त के सक्षा करिया आहार (पश्चिकवरात । र्वे সম কণ্ডত গ্রের ফেরেজ ছব্দরে গ্লামের কবিল কাকা ৰলিব কেম্পে। অংখের পুতলি কেছ্নাহিতে মাবিনে 🌣 ভেমেকি মৌকিলিলি বি বড়াপাহাসভান। রোর্ডং পাঞ্জী करम भागम बंधान के किया हर अमानिएक करवारा क्या । जन्न विषया का विषय । कर्ष । उथा मुक्त विषय । कर्ष ভানমোকিলিচর্গার। উনিদ ক্মলাভভ্নি এলিংগর এ श्रात। मरस्राम हिक्रिम चाल स्कार वामात अलिएर म महोत चार्चि माहिया शरीजात क्षेत्र दिलान बराउँचा चार्कि शिक्ष भरत । भागने केलेया वीपदार्थ वार्षित जरब 🚓 (जेत्र) গুমা নাজমে মউতলেগেছে। এপান মরিকিলিছি ঘড়ীএ क विरम् के छनिया मिकिनि देशन बाग नजावत । ठालिक বার ছামলা করিলেক কাপর উপ্পতি সামালিয়া মমির স্কুরদার। বুকেতে মারিয়া নেকা গিট কৈল গার 🕸 পশ্চি ল নাফিলি গিরি দারতে হইয়া।দেপিয়া পেপিলিমাছ। किशिवादीयां के व्यव् दिवादत काक्ष्मदेव स्था का बादक हिएएतं। इटक गहि भारक कि इ चाक्रांतिया वस्त अ न

. 4 505 A

क्रिडिशाह अदेश गालेमारक एत कार्यक भीत अवसानिह क्रिमाइका मामाजाम एकरवर महिन्य वृत्तिरम्भि स्थक्ष वार्थ वं कका की बार बिकि में स्विट का स्थान कि प्रिक्नरक मार्थिक। नुवार छ क्षेत्रका को एक निया का विकास का का का का कि न अरहज्झाँच वर्षानित अनिक छ एत रेह्या अधःरहरू वा अन्द रमें होते। उत्ताम परिनेटच (करुवा रणानामान व नक्षात्रहेन्द्रिकंड कापियुर्वमाणाङ्कः। स्टिजन्ति काटक्षिया ইং কিছে ত লাগিল, প্লক্তিতে লাগিল বিবিপ্লানসম্বাচারী (अस्भानित एरक्रिके जिक्नाय गध्य क्षंडाकात्र चंदत करि खनदम्बाधिया। (वदेश्वक्षित्यक (छत्र। सम्बाद्धां का विद्यां) अउद्भिक्ष्य अभागतिक जानिक विश्व ।(उद्यादिक जहभाहे লেহ্ছেয় জেকোয়বানি 🗘 একে তোমাপতি লেক ন হিন্দ পিবিক্তের একপর লক্ষ্যারালাকে ক্রিয়াতে ক্রেইপঞ (कः यात्र करिरवेरके कि। तदान। किकिश्रम नाशियाक क्या পুরিত্র 🖨 তেওার সভিনে চলাদিলেক বর্গরে। সংগ্রে व वाङ्गाश भारत कात् उरत्य अल्लाका विश्व स्थानदेशम् । य লালিত ৷ ক্ৰিয়ে কছিল ভুইপ্টাম্চারিডঞ্জাব্যালিম প্ वित्वाबरमाञ्चाद के विश्वानतामः (कार्यक्राम व বো যনাত্রিগীট্র ক্ষেত্রেরেনি মিকিছু এনক ব্রিবেনবি । স্বল (नहोस्कार्काक्ष्मक्ष्मक्ष्मक विटिष्ठ कावि से काल क्लारतहे। इ करक क्षित्वानि । कार्विशः। अवास्ति म प्रक्रिमित त्रांटश रखाशा हिंशा के श्रिकना कार कर है। को भारत (नहें तिन) असा हिंदु साम भारत क्षेत्रसम्बद्धां के विश्वास माजिल स्वत्ना क्षेत्रकाल व्यास वा । उपाप्टरहोत् स्टकनानान स्वेदाशकानिम हेर्गान्छ 🥫 व मानाकात्रवातन्यः स्थानया हेर्नावश्च वक्षम्यवात क्षेत्रात বৈরাশ হইয়া ধৈল ওখনি চলিয়াল ছেলা এবরাছিন নাম

क्ष्रभावित्व कामि । विवादय क अस्कृत्यस्य किन्नि व स्कान्नवाहि अधेश अस करहता उ व्राथवरावत । (सदाक्षक का कनविद्वार व्य हेल्य केहा छन्। ह सहसार न काल एका प्राप्त के कि ब्रिश्व वार्थात (कारमा (कानुसामि छेशनुक्रभणान छेशदा लागा) বেছ্রি কেন চিত আনিজ্জেলা কেলিতে-পুলারিক্সলা দ্যা बि (इबारजाना कि क्रुंतिमिट्छ। किसानि (स्टब्स् भारक् रूप्त भारतकारणकेश्वर्गनवार्यः भग्नतम् । महन्तम् । महन्त्रम् व्यक्तिक्षा अर्थाः स्रिक्तिक्षित्र क्ष्मित्र क्षित्र अर्थे अर्थे गर्पर क्रांस्कृत्व । मिहाश्चिम हैमदक्कादक कि हिस्स बुडानवार अ कृत्र (चल जिल्ल करेक क्लान) साद्धि (चारक) हम् जुने काशिक कणन के छात्रक कार्रायन केंद्रभवरावर्गन काला के कि मध्य का शिन भारतका के किर्निया। (सरवास) जान जरनका है। ভাব। ভোমার কোদয়ত নর্মণ্ পারি বন্ধিবার 🐞 এচুমাই म भिन्दरश रकनश्यक। रेकटल रिनशां छ कत्र इस्कार किरहर স পাইলেপ্তৰ্য হু তে দিয়া সমূহে পাঠলো জেইছু করে व्रमात्र वान्त्वरणित्वक्रद्रश्व सम्बाणीन वरत्तः। उ रियरकरना उर्भाभकाष्ट्रक्षमाराष्ट्रक कथ्छण रहेन चिमुबरत (क নে নারজ্যার করিকে সালি হত। রাক্রিনাক্রক্রাক্রাসিসর सारकारकार्थ विकेटकारिकार । भागराज स्थिताकार क · (अपन्याक्षण के कार्यन काउकरत (संदर्भातकरन) कृत्क काल अवस्थित बारचेन हिम्सल के कान छात्र कारि छहन आर्थकत् कार्य । कि इरणन अहम देल क्रिकेटर मखत्र क्रांकर्त ींद्रश्यद्र उदर्वाहा। इन्ह्य मा कतिरमा । **छ**ित्र ५ थक प्रदानिका खाक्क्षि इन । अहमाईत्स व्यक्त रुहर स्मानवार श्रम्बि য়াভিতবিল গেল দ্বালিয়াহাত ওছেন এবরাহিম ভারি गारमभिनाङ्क्ति । अकश्रमध्यद्य साहि प्रति देत्रीलकः वि कार्य

ब्रिस्टान गामारम्ब नेपरित्र एउर करत् । १६ में स्पर्स नेपाल नेपाल व क्षेत्रकारहकाला जनस्कृति महिन्द्र अञ्चलका विषय । काल्या छ (अक्ष्या व्यविद्या मान्त्र कार व्यवस्थ धर्मा प्रशास्त्र है। अभू व्यवस्थ जरपटत्रण है अयो जिटब्रमाया है कि ना क्रियात्र एक में विक्षा गरिवस्य रेशि वास्मिन । एक दिखा स्थापिय विस्तरिय व লিল মেনেক্সে জাৰি লয়া মনিচালাই কছু বি ৷ কোক্সমানিত্ৰ ইল স্বাধান্ত ক্রারিঞ্জেল হে রচালে রঘ জারিও লাইন ইয়ভোহালেই দি নিয়ম হইলক্ষাল বিপ্লেটেখ মনিলা स्वाद्धमानम् कार्यम् । क्रेनिना व क्रिना सारका । अक्रा अ'थ'प्राम्बद्धन्तक त्र ८म चित्र । काक्षापः चारे सामनिकां विद्या লাভিয়ঞ্কাব্দিয়াঃকালারখাগে এইমনালাও করিটেখা বিগলনাৰ ওজাইয়াহা চালক বিমানিল গালো ভাষিকৰতা টু कि अन्यस्त्रमञ्जू वाकि इहेन भाग उपकार के कि वृत्तर महान होवल प्रस्ताहान किथा जिल्ला मा प्रतिकार के प्रावेशन का प्रतिकार लिए। अक्र रक्षत्रवानि भएत क्रोज, का क्रिन्त अदेशन कवृष हा का मिलिएन धर्म करिया करून करिन रमारंगन निका तेर की आया अमन्ति मानि र जासि ने देशा में वे (उन्नाम) उपे ऐसे निया भन्न सङ्ख्यान वर्षा वर्षा के विकास कि कार्य कि स्थान करने भिष्टे में सेमान स्वाधन (कान्यान स्वोधन स्वाधन स्वाधन स्व मि कात्रकाथन देशक । जाक्षाक दकात्वा विष्ठता कर्नेन भावका ছোত প্রজিয়া গরের ক্লডের শুকের বিনাধ কা জিয়া থা। বেটার জ जानदशासु रुपूनः मार्थिका छन्। निष्ठकाम (महिलाब कास्रिका हिलावर्वा । जान्दर्काद्दरराज (सक्नाने य एक बाल मानवान क व्यवकृष्टिचर इत्राचन स्थापित स्थापित क्षेत्र भाग भाग स्थाप होत्य क्षित्रवास्य रेशन्य श्रमा र ते सहित्। स्वारक्ति । स्वासिक एक

** 5 08 " B

াতে কান্দিলালা ক্লিপ্ৰেল্ড কান্দৰি আপোনাকে প্ৰীমন্ত্ क्षा दशहनकारण अन्य वास्त्र व लिया कितिया के अवदर्भ लग वर बालहोस वर्षह । अवी कियो वर्ष हैक्ट्र। र वश्कातः विश्वाद तम्बर्धाद वर्षा इस । स्वत्य एकानिन् वास्त भ विकासित व विकासिक व्यक्तिक विकास सारिक भारतात • · । संदेव कर्त हिन देखन साक्षेत्र हिं। हैं बाबूर बाब कार्य से से कि बाब कार्य के कि विकास मिला वास्त्र । अक्षेत्र न एक विकास किया उद्यो हरे लेश के अंकल जात का काला है के हमा अस्ति। एक का छाउड भारत्या विभाव सम्भाग भारत्य अस्ति । ए ए वक्ष ए ए ए विश्व 應江 जान्दर्गाक्त्याविक्ताः च नशाकिष्याक्रेशास्त्रकर छ। हैन। इति १७ नरक। में निजारभद्र छ। अधि चर्राल्ल विवरक विद्यालयोजे अंश्रेकः चनः क चन्न्यति । च । जनगरकः भग्नाम्। লয়কেও ভেরমনের ⇒ ডিবিস হাজার পারপাচ্ছসক্রান্তি का जिनकाम हि एए स्मिन दिस् अस्ति। स्मिन्द्र स् আক্র করেন, গুলার। আপনি ল্ডুই আঞ্চিক্তিয়া বিচার कंद्य आपि पाकि भन्निकल किर्द्यात्रभावित पा ले करवास्।।कर्षाः वनक्षा काव्यं व्यानिकारिकार कार्यः ह र्ध । क बद्दा हेन् हार द्वारा क्षा क्षा कर बहुता वास न स्था ক্ষাতি গৰা কান্দাভবস্তসংক কবিল গমন ৬ ভাবত নেয় াঞ্জাস্ত্রের কর লইয়া। ভবেত মর্পানে থাড়াচ্টল আই हा अस्ति विद्वाला देश वर्ग भन क्रमाता प्रदेशको लागि াল নাক্রিবাভিগার্থ নকোরার্থ সিধাকত ভুরুক্ ভেট্র । ने लि विश्वित विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष ্যতদাগাও খাছিল ভিচাহতে মনিনলো**ণ স্**কল সাণি मि के एक्किन निर्देश शिक्त करते हैं। युवर निर्देश के विकास कि

वह केमराहरू (वान (नरहें छनिकंड न डाट्यूर् जरफ़रणांत्राक्षरं है जिन्दिक्सन कर्द कालाजिद्दमार्य के बहेम्र ए लेखार ि अस्तर्यन । बरनक कार्याय रेक्स (ए।स्राय श्रमनक्षर् छ जिस्म रेसल अभिन इक्षांत्रा (वरकरखंद भारतमार अपहे स सरिकात क (काऊ। स अभिवासिक बका उ सकता । अ ইন কাল ৪ খার সাতির লক্ষরেক্সচপেন সানিকাকে স্থি বিল পিছাডে। (ছামেনে (ছঘটা মাসেকরিল পালাডেই ज्या थ देवम् १ व क्यान लक्ष्य । देख (लाजुमारन लाक्ष्य सिन अकारकवारकर वजादि लाविक मिटक साहिता पृष्टिन এর গ্রহণের মন্ধরার হৈলপ্রজন্ত কমন্তাত লিয়া লাতি র জকরা যেরাও করিল চারিদিগেক্টনিকার 🛎 একভিঞ্ ন ব ভুতু ৰাখি কানিফাজে। কোছেলের কোণ ভারতাগি সভ্ৰামানুক্ত দিতেই মুদ্দ কভন্ননায় ৷ দেবিয়া এলিছ िक रुक्तिया (बक्य कृष्णि नियोज्या भटन (प्रात्राक्षा निका ত চাৰক সাভেকেক কান্দ্ৰহানিকার গায়**#ভ**নিয়া কালেল 📆 লোক্সান্দে। শিষা হাতে ছে।নিকারে কিরিসকচারি ্ৰপ্ৰৈতেঞ্ফেকিল ভাষাস্কানি এলই হুইয়া।পড়িতে গৈল কান্দো আছমান চাইয়াই চালিস হাজার সাক্ষ ে লে এককালে । সাজসভ্যক্ষলাগে হানিফার গলে मार्तिय रेक्टडमस्य (याहरक मालिय । (याकाम किवरक ाः क सित्न अस्मिन स्यश्चिम क्रानिका सि विभाष्ट्र कासि 🖂। श्रीष्ठक माञ्चारक्षत्वा श्रीमत् । वाक्रमात्न 🕸 अञ्चला े रेव्वरूप भारताहि (इस्म । (मांच्या (मत्रांभिवि बो ৰ হেন কালেঞ্জিছেইছতে কমকতে মারিল ওলভার। ইথান ছৈয়া পডেবা জুড়াছিফায় মুস্ছিত হুইলজামিছা कात बाखा विद्या क्षा काल वान क्रेटनक्ष वाहण नवार विकास स्वार स्वार क्रिया विकास मान्य स्वार स्वार

विश्वाद के कारके कर इस स्तिक्ष का वसाद यम। निक्रश् इहे व कर्न म्। त्या ए रक्षक्ष अयुगान यात्रिय केरणक्ष्यम ক্ষার্য । কাশিব্রত লাগি বভার। পাত্রিবারে ভ্রেম্ক্রের আলাভাজাভাজা ফালাল? লিখন | সম্পান্য প্রিটের ছে : পোল্ডাল কমবে এক্সভাৰ সাক্ষরি আছিল হামিকাধ ব্যাৰত কথাৰ আছি কৰিছে উন্ধাৰকতা সংযক্ত এক্সপ্লাড়ি कविन (जामारा) (बारेपारन रातमारे जो राज्य र य नियास विक्रांत । व्हान्या नाहे । वृत्तिवन्त्रयानाग्राक्षेत्र ইঞ্স:ইঞ্ছেডায় একিদলিগি কছেল্নিফারে। এখনতে: क्ष (१५) (क्रम्भाक का त्राव्यास्थ्य वा त्राव्यास्थ्य (स्त्राव्याद्वीकन) বৈষ্ণা। একার উচিত সালিধিৰ পৌচাইক। ।। (কানিকা ক रिता स्थलमञ्जू क्लाय । ए एक एटडका कः प्रीम् क्षा अल्लाह विश्व अभिवाद भारत के ले कि विदेश के हिन् होनिमान कविभागक । या किन्यवर्ग काणैव छापा রে ৷ গাড়িক জোমারে এখন কোরেচ পাতিরপ্ল ক্রিণা ক ত্ম তাহি লালন খোদায় তেওকেরে কালে নিশাবিদ্ধি সঞ্ মু এতিং পুলিলবাড়মের গায়তরে। কল্কেনশাভিকরি हार्ग व व्यवद्वानिक्ष विद्वार विद्यार विद्वार विद्वार विद्वार विद्यार विद्यार

मारेश नाटका प्रियान वाचा के मान्यत क्षातिया । असिमा शिलाहाज के भरते । वेळस्वाकिष्ठियान ब्रह्मच्याकरत कृष्टिया विश्वविद्युक्त स्थाए का किएता कला नार्वाहित्री शासाकेन हानिकारत । এकसन मनिनवाकिक हासिक्स রে। মাচারে পড়িয়া করে এভিন্টো চাক্তি চ হানিকার বিলার দেবিশ্যা নিজ্যাবেশী । উমার আর্থার ভারেন্তারী (जातरशक्षकतान) क्षेत्रिए महास्थर हो। सम्बद्ध । स्था निर्देश (द भारतन्त्र के नाम मा स्थितवस्थारनकः विश्वित मा क्रिय अक कवित्र चिरासा हमभागिया रणसमा सार्थि १६६० काय करकाहानिकात् जनका बेरवबामाव । एक्या के छत्रम् व अधिकाउन व व व के के के के की व अधिक अधिक व व विशे का क अत् । जादकन बद्धव काका धनराकिम असार के कारी म দেব আরু হারেক্পা হালকান্। ভোকাশভার্ক আইলকা মত্তস্থানক্ষ্তিক কল-পাইল্বে হৈয়াপোলেশান। উভাবৰ शिवाजन (क्यांटन सम्मानक्षेत्रक (म्यांत कावगाय स किर्णा विशेष्ट्र का एक विनक्षा ज्यान स्थान व रेस्पाद भट्य मृत्यनाः वर्शन् । त्राष्ट्रीयिनस् (इन्द्रबल्-ह्)दम् । जिल्ला (स्केडक नामात्रे कथा नर्म कर्ति। स्थम क्या भवक स्थिति व वलकात से महाकार का निकार के लिए के हिंद का य कहिन कहिन करियान। मेरा अग्रास्त्र (भी সাবে সাস্থিক কথানোৰত্বাসারকভেট্টিবেভারা ধ্য ভাষাম ক্য়ার । মুলুতক চলিতে অদিক্য়ে ভাদাকরে स्मामाद्यात शहरेषु अकिन नोश्वस्कार्य। कन्छ। उप्रिस् কাটিৰে সৰ্বান্তৰেঞ্জ ছিত্ৰ-(ছ্য়ত্ৰাক্রিতে লক্ষা) কা (कम् अध्यः (अटक्काननाक्रमानाक्रमाताक्रमाटकक्र मक्रतः एकत्रक्राः 原则。中華報音1人然可以建筑。(研究時间仍通過有目的應為特別

केल छ। हे हां बा बहर का हि। बरद श्वा के विकास के কিৰে দিয়াকৈকৰণি আজাকলে তবে সাধিবা একিছেৰ। विकासिक उरत यामाति विशर्धक मरह्या प्राचाहे सहि जनाभन्ने 'डाम बमारजने एडाइब्रास्क सानरन का निस्कृतक विद्या का काज वा उन्होंना में अहाता। चंदक व वंदेक हत् वर्दकार ইতেচরমার বিষয়েত কবিলয়ামি ছটতে নাপারি বিস্লি वं किन्दे मार पाकिएक इनमादि । कारण्यात व्यक्तिक क्षिक्षिक्षक्षमञ्जाह ल्यामाम करेल इक का खारतवास्तत क পাতিয়া শুক্তর আলি সকল জামিলা ৷ সিক্তলেন কাদচান্ত शासाहिता भारते के इंडाकाम अगात साम इहेज (बामाल इ ইয়াল্যান্ডিডি পাইল দাবিদ্কালাল ই লোচেন কালাৰ होत्र अंगति श्री कित्य रे यंगिक भाक्तिएउट के विकास समारह क्षेत्रं संग्रं के जाएक चारियका भावेगा। 'डेक्शिंदिन क्रिकिश কৈ স্থায়ণ্ডিয়ালতবয়াহ্ম উত্তায়ণলেম্ছের কাকারে লৈমিণিয়া উদ্ধারিয়া নিভানিফার্টের । আমি সেইপাহা ড়েব জানিসে ঠেকানা। আজাৰদ করেডবেদিব গিহাছা সাক্ষরতব্যি এবরাছিম স্থান লক্ষ্য। পাছেতে উপরে এ ক জনস ভিতৰভাৰণাট্যা বুলিলোক লি চান্ৰচল কেট তার ওক্ষ বাজির লভর সকলটুক দামে স্কের কালে আ ति अमारिक थामः। धर नाकाताकंड बाटकमाविताकः स्थ মিদ বাণতি বলেখের ভার ভারেঞ্মালির কর্মদ গমজা हैन भारमण्डरतः किकतित अर्थन वनकृष्टमका हैया। मानि শ্বী মেরারাত। লগতে বলকে লগতে এশ ভারসাত। স্বাঞ্চ নি থাকিয়া কেথা কর্ম চর্মারী । আমিষানিকার ভারে कालाइया बाति अधिए रिकल बाज (मध्यित सम्बा । काली कारतकाला हैन कारहरू दिल्ला से करू निवाद भेदी नहत

B 255 0

अब । कृष्टिल अम् क्व अलमः भग्राभवत अ जारमान्या जिल क्षकृष्टि अधिदम्बलकर्व श्वानिकारक क्षाणाहेव। ववस्तुन शब्दात स अक्षत्रवाक्षण वाच चकत्रहत्रात् । वाहिवादिष् ६ छन् । इ.स. १६ वि. १६ कि. १६ कि. १६ वि. १६ व वा करितक्ष वालिवश्यकारम । विक्रिक्षन राक्ष्य भाषेन् इसक जारू। अ जारूव निश्वस्था शिहरणाष्ट्राय वास्तियः। भानियः। मुहरूर का जिल्लामाय सालिक । (माजावहारेया चामि नक ि केल्लकाकित्व धावकरे । भौगण्य धाव । बालिय इति কোলাৰ কৰিল ওয়ার 🗅 চারিপাঁ, উ বোড়ার কাটিয়া পাড়ে, कृष्य । (भग्नामः फारकाद आ लि क्हेल्प्रचारम् अयापः इहे या अध्यक्त कि विवास प्रमा भकर है। एवं ना विश्व भरेश कि ति न किन म । विक्रिशास्य (सम्राम्धिकेल व्रवस्थ्य । जारमन व्यक्ति स् कर रहे के बार्ड कर के की बहे र किया महार्क चेटा है हा জ্বারেরচাকজেন ভেত্রমুদাইয়া ইমারিল, আচাড এয়াল श्रीहृश्रा भारत्यक । पहिर्द्धन सर्गनायनक वा नाकटेड्टन क्ष (प পিয়া এতি দ বাক গভিৱক্তৰ বিভাইয়া ফেরাইল আপ নিট্ৰণল 🛊 ছালামজে আইল জতে। মমিন লক্ষর। নাজার। ভাৰেকত বাবে নিয়াছের। বেছনে এলিদ নেকালিয়া সানি কুল্ল। বাজাইতে লিয়াকায় মযুদান উপরে 😂 চাপাইল। लाकों क्रांगीममञ्जर हेर्द्र। व्याखरनट्ड (नवादानि करन् अ ाधिरहा क के हिल साक्षिमध् छ। भरतभ धभरन । व्यवहर्ह्स् वेख । वाह रम् विमन्यास्म कितिम्हाकात्व करेया वाह 🛡 💰 । এক্সিদারপারে আসিকরিলেক জোর# দেখিয়া জিক্ক র গিংখ গুনিল নিদ্রে। আর্কিছু লুহেবোলে চ্টলপেরে সা व अत्याथारेहरू जक्त डेठिन चाक्षिए । सामिर्ड माना দ্ধি সমাচার কোনভাতে # কিজানিকি হয় পিছে ঠেকিয়া

বিগদে ৷ ভাগিল ভাগিয়া এতোকমঞ্চাত এজিদে 🗱 ছায়েছ ওপ্তর আদিজভেক লক্ষরে। ঘোডাওঠাইয়া সার্থনের ক্রপ্ জ্যে ও হাতালাতি যাসলাক্তি ওঠাইয়া কেলে বিভাওনে तु ऋग्डोश्टल र्।निकारक (नार्य क्षे (बरनारा मुद्रोह रेश्ट बे নিতারহুটল ৷ দেখিয়াখোসালবড হইলসকল ৷ অত্রয়ার ষোরার্চনাক্দমে পড়িয়া। বহুতকান্দিলসর পেরেসান্চই श्रीक्षेत्रवर्षात्र जिल्ला भरवना भाजात्वा शाना । वल्ला व्यापाना हे শভেতারিফ সোকরানা ৷ তবেংস আইলভিমার বালির লক্ষ म । भटक नेव्याकी बार्क्टकाभाग इत्रमात । स्थिनकाने भाग्यदर्भ क एक्डा हो वाह । इ. डिटका है बाय का है विकास सरस्डी ता भारेक का ऐसीएक। यस वसाव असी शासर करवटके स्वा विक् नि। विकास का निकास माधिय येक्टल (अपाद प्रेस एक । का विक् মাৰে ভাই লাগলাগিল কহিছিল বামাছলবড়াই দি মান্তি वाजकरत्र कियम, ल का अभिरम्बनमाईव उक्त परव किल्माकी त कथामहम लग्रि । तिकिल अमास्य अहा शिया कमस्ति है महाभाषकानिकात वाक् इत्वाष्ट्रवात कलायात 🛊 छरवद्वाल इकून छित्रमरनकालि । पड्यम् पानिश्राञ्च आजाधि शाक्षाङ গলায়হতের জ্ঞান্ত্রপড়েগায়। ইনীনিকার সেরানে বৈলে मुल्यास्य । वरता अञ्चलादम् क्रामिट्रेस्टनः भारतमान । कार्यस् ক্ষিকানির্গেখালাবকর কান। হানিফাক্ষম ধরি কভিঙ্ভি লালিল। পঢ়িসবছৰ খালিমহিমহইল। ভব্উজারিতে (ই बादिन वन्तियादन । अहेशायत् इते त्रिवादभात्र भवन । कालकि म हेश्युरकानरवानाट७ পড়িया। मछेउध्हेरजङ्ख्या बहारक है ছিয়া। রছুলকত্নে শুনহামিকাপেয়ারে। ফরুয়ানক 🔊 着 पि आश्वाहेशास्त्र । अवस्थादेश अवस्थान शहासि । ताम গাজগ্মপরে মজনুভক্রিয়া ৷ মহরনত্ওত পড়েফ্কাভরী ার পালারক্দরতে দ্ব স্ইবেয়ার্কার। এইকাপে হানিকা লগু

रहास्य र स्मान्य अस्तित्रास्य स् भ से सहित्त सह सा हर मानकार निर्वित्वाचित्रपति वर्षावस्था कार राउसर विभिन्न होते। खिनिया मध्य मध्या प्राथित न रमवाबककार हिन जान्द्रिक मञ्जूष कार् त्किविधानी। भवे विकृताक्ष्रिति संशिक्षान्यसम् सामाह हरी तारहे ब्याव दिलें गढ़िया मार्गिक ने हैं विवास मास्त्र छैन ेउद्य भ्यावस्टित्वं पार्तम्हित्। स्क्रूमकांब्र्सलयास्य है। िताबानि है गरैताहिमें चलत्र (माहदनका क स्ति। व ু তি বি নিকলিয়াল। ই আমি। এতপ্লিগমন ক্রিল ক্র ्राय । भाकर ए जिल्लाक न सुर्थ । त्यहेशाव कार्य क न नियं महिन करित है जिया ने साव बहु व । खस्त्रिक दे करित श উষ্ট্রার ভিনিম্বাকাপড়ে। ডিকেন্দ্রন্থশাই প্র े विक स्टब्र्न (विश्वविष्य के विकास स्वरंग सिंहा है देश के विवास के विकास करें हो। महार्थियदेव भाषात्र । क्षत्र स्कार कराक्तववर्षात्र स्थ টুনত ৷ বস্ত্ৰত্তৰ ভবে ছাপেমবাছককাত ৷ক্নানিকার পাৰে ছ शि वज्जनसावस् । (पश्चिमाकश्चित्रहो कडवस्**स्काकः) अ**त्रम् জ্ভনেতাল ভালে ভথমেতে। পাড়িয়ালে ফুকিন্মাইৰ নিৰ্ব शिक्षांचित्रं दरेया अञ्चल अवाजा मादित क्षेत्रवास अव्याप्त মালার e , মহামুদ্রানিকফের লড়িয়া <u>ক্রিদকে মারে ই</u> व्हाज क संवद्धभाषाग्रहाक देशवस्तिकाँ इ.स.विव कार्स রে গিয়াদিল্মুমাচার <mark>। আছ্মানথাতিতে রেপড়েকে</mark> ডিট্র स्। 🙉 १ हमरे (वास्मरिक्त बर्गाजन से क्लंपरन्राजन के है। विभाकारत । यरका का नमा अवस्था मार्थक वा भारत । उन् ুলির ১৫র দৈবেছিন **কলি ক** ভারেল হেলে**ল মুখ্যে চং**শ্ र्छ। हुनि । श्विकास्त्र क्रानाहेट्डशाहाफ्केशस्य। व । का

१थ रे के विर्वेदकर अधिक एक दिन रेग हैं में मिं। अहरीर में भरते हैं है। भेरतन होत्याद । ४ई है का लिए सामित है। ये के बेंग के जि शिव रिषेण असीरिक विश्वविद्या है। है। जी कर्निहीं कि ने कर्रों में । देव क विकार विकारिका वी महान विकार है से विकार की विकार की लेखा । लिखा मिला के के जारकी है वे बात के विशिष्टिय के बा 图 要用中央中国公司方面的(多位的图形)可谓自由公司的中国行为自 रेण । देशक्षितिकरंगारम् सार्वे नुमुद्देशक्षामः । युझ्रदेनन। विक शो**स्थान है स**न्यान । नारम्,क्षत्र द्वानिधि देल् शक्ता । क्षिपारमध्या क्षित्राचा व विश्व में विश्व में किंगू के किंगी गा क्षांकि वह । साम्मक्ति सीयुन्। व मनुस्यद्वायत्। हानिभ भ व्यत्र विकारम्यां वा कि विराध के मायर प्रेय हैं विविधित व ह्य कारम रे जिएम्। इंट्रक्टाइ स्वीरण प्रतिकारी जाति । जात्यर भा वाम वीके। मरबंदा महातू । छीति। परभगाष्ट्र का वित्तर का 🚁 👁 ध्वकी स्थान नाम मिरिस मिरि वर्त्रायही। बाब्द मीराम सार् ক্ষেত্ৰনাছিল বৈশ্বিভিল জিলেওাহে খায়তহাকার 📳 जिन्न भागवारवरेको विभागवन्न । क्षिका क्षेत्रको कुलिका क्षेत्रको का य गई क व्यक्तिरें नामियों स्था इंटिक माध्य की है। इसी জ হা নকার বেণ্ডালাইয়া ভতিজ্ঞান্ত বিশেশবায়া পতে বি ক্লালাং দ্ব ভিতৰ । হাপত্ৰৰ ভিত্ৰ সভেঃ দিলেককেনাই। সা ভ ক্ষিত্র বিজ্ঞানির। পাইলকেনার। ছরজারা। ভাঙ্গিয়ালেলে अस्तु विक्रंत के श्रानिकाव्यवागटक मह क्षांका रथाना भारत्व ভাকশারে প্রতেশেমীভিনেক্তিয়া। প্রব্রালিয়াওটে किन्यार्थः। कार्षिष्टमानिनेम्द्रः खाविशादश्रमाञ्च। है। ্তির্ভারতে ভিলাকের তেওঁলে সর। তার্সাতে বিপাকে পোরে ব্রিহিংখের হারা ক্ল শিক্ষারার পাবিজেনে। পাইল সেকারি

कानकारदेकामा। भागारे स्थायक्षकर शाहेकपतान । किन्स अविषयान वर्गभवना विद्यारत । दक्ष वहार रखरे हता सारत व जरुरत । महाक्षमणा निकाज्यर अधिमात्रवदा । विदि छका वि व माराजालामियात्मद्रकेनमाहिउद्याम बारमना भाष् कारत । काळारमकानिकारकत रकाठाविकेशस्त्र । नालाक्याक बारकत्र कार्यबार्गाणत् स मारिकानि काबारगक कमबाड কাকির র ওবেমেইকোঠাপরে ছিল ধকল্ডা। আচ্ছিতে তা ভাত্তিত উত্তিতে ধুড়া । ভাহারউপরে একন্রের ব্রাস্থি **इंडेट्डिंगिकेट्डिट्ना (लाइ।इन्डिंडिन) इनिकी बादत कर्नि** शहितजाकादत । श्वापादक अगन्त्र मिलक्षिक विद्व मागादत । य মন রৌস্নি ভূনিইওকোনজন। এখাদেতাবিস্কর কিলের कातन । मरवत (डोर्मानटेक्टक त्नकरंक बाखां । भरवनार्वाह क्रामिण शाकरविक्शिक । भाणिन (शाहायुक्त काहम आ। भारत । कामाहरक मचा अधिमका किन्द्र । स्टिएन ब्रम् वाचित्रकांबानवर्ते। वहिन्द्रेया विद्वाबनावाचित्रम स बङ्ग्प्यम्बन्ध अधिपश्तामद्यात् । खनिया व्यायक्रम् क्रेम्साम्बर्भाता नशाकान शानिकाम्दम वास्थानातक । हाना कं उहिना बार्शकरत्वाट्य वाट्य । उद्दर्शक (द्रोम्नि शाक वरेह्दलन। (थामारमश्निका उथारेहरछवा शक्ति। छरव वाममाधामनक्थानात निक्छे। श्राटक्यत चावएकेंकारक स्था लक्ष्मणारे अ क्षीविश क्लारेलस्ड रेस्तार्थान शान। मानाप इनविषया असिकार्य छान स छरनमा क्लेक्स विविद्यारक कानिकारत । कार्केनर वॉल या हिलक के हसदत एका है अर वाहरी कारमकात करवाता हो प्रमुभरमर मृश् का निम् भाषात ह खाबारकरमध्या अर्जागन आन । पाछारक भारेमरबन महिएक। मान रिवित्र हिन हेन्द्र वाछ। हेपालाच । चाटन লার চদ্তেন্দিলৈক খোদায়া ভিরিস্কত্র অভ্যেশের টি

न्त्रथे। भाषाईन्दर्शिस्। छात्राइहाम् व्यास्काषीतावारह काराज स्थारेट्न प्रत्या छर्गताव पिनकान्ति पश्चित्रहार्य छ । किनिहित वारकाकाबादनम अनाहे स स्छमात्व छिना ह ज कानर खड़ा छे। है। क्युनाल भावतिन व्यापित्स्य कानिया क हाळाटक हाला घटेकन का घटन शिवा । शानिका खेलि सार्**का** न वहें स्कार्त । वाकः स्विपिवतम् वीप वमत्न स्वाम्थाना देवतः (त्रकालिया नर्कें वर्षा का वाया के वाया हैन एउटक वाहे गरन क उद्दर्भाइ।वापारकृष्ट्व (वाह् मर्पनाश्चा। (थानानिरछदापनः वे तथा जान विकास के साथ विकास का किए उटक उटक वर्षा वे न চারিদিগেকেতাবত ফরমান (মুডিল # শ্নিয়া ছতেকলে। ग देशवर्षण । (बाह करणा इप्रविकारमानाम करत्यां कि क (थाए।प्रियवृद्धि। नापमारे कावसाव । क्यमार्य रमधाव था মিল্লভে। বেরহার। ভবেতনাচার সবেবহুত কালিয়া 🕸 কে चारवाणिकारपटेल, खोईबाइनाशिया क्ष बरह्यकारी चाउकारी মুছেবস তে ৷ এবর ৷ ইনও বর সংক্ষলিয়ানিক শতে ৷ ৬% রয়ালি তালেবয়ালি আর্কেলয়ালি আদি। ভোগানখোগা न आह अक्यान अन्ति श्रिक मक व्यक्ति यात का तम अ हि देश दिवासाय किया सामक दिन । काल है समझन्द कान क বারচরনে। চালাম তছবিমুক্রি জতোপাছাল প্রে। ছাবি कृति नाइ (व वि का (ज बार्दकार्य । (बार्वाकन्न जाना (ब (ज क है। वाशनात । विषातक (तम नाशावस उका निस्ता। (पांचाक उ नवाकात भना व्यदिका। व क्रबन है या गत क (वादकान क्री শুমুদুল হরি জেন চলিঞ্জিক্দিয়া। নকিরে করমাণ বাজে ভে উর ভ্রম ৷ নফরিভয়ই বালাবাতে নানারক ংশানিকারভ ইন হেনে ছেলেগেলে। অয়নালেরসাতে ছেভাছানিকার र्व । स्विम्थि उत्साता श्रीक्षत्कृत्। ग्राहिप्रात्मक् क्षांद्रवस्य मस्त्र । शाहाज्जेशहद विश्वनशामारेया । मुलि

ল হানিছীয়াছে একেলাছইয়া 🖈 মাজিয়া আইলাডারা 🥊 লিকে সারিতে। একলোগধার কহিল সভাবিত। সুনিয়া क् निकाशात वानि वाकर्तती वक्तनहेशा (शतासग्रहान डेश्व । अध्वान बाहेरजनारहे मानाकद्व जाद्व । खाँग हर्गन श्राक करके वेशाय । यह पास्पका के छ । पार्थ वस्का न कई भाभागाणि वाणावाण देशेन वह छत्र। शानिकात कार्या किर्मा शिविज्ञानिया। कर्नश्विकार्त श्रीनरक शिक्सामार व वदानिका बे क्रू श्रेट उन छात्रां ना विश्वाक विनयक स्कृत धाना शांकिया छ। करिया हो जनमाति माति। कर्लक नकते क टिडानेटड नामाति। गाइटेइटड माथिटबन बंदि सार्व স্থাকে। এয়ভাইক্ফরছের পড়েলাথে লাথে পোই। ডুসমী व ।इडिर्न गापिनापि । नक्छ महापान्टबन एरिटन के निष शानिकात्रयोषु। बादमानाद्वितिका अस्तिता गर्यायाह कालिन (क्निट्य) (क्लियार्वकात स्कृत वार्णकेत्रकार्त्र ? शायब बा वक्षिया करहरानिकारत । जावा व सामा जाकि भग्नमारिकन्यामि। अकस्रनभग्नमा अयुष्टाकन्तरम् विख्या भा माज्ञणसमान (बादनवह उ माहिका। अबादमहरमान्ये देव इंडिलाहेरण। अध्यक्त व्याहिक क्रिका विद्या। अपर का ध्यम प्रक्रम अभिया । अस्ता मात्र कथा महम मात्र । अस्ति विभिक्तव विश्वनिता छत् है। वहा आपहा निया भा ध्वहहेग्रहे 🛎 । स । व बार्गि बार्गि के व बार्गि निया है । असे स असे स्था ধ্যাড়াহৈতে গলুরিয়াবসিকল্মিনেরচলেয়েয়াডাএইবানে शाहाजसम्बद्धम् । स्थानिका शिरहर उसारत् रवाज भारतभारम् मिर्शास पानापाम्याम् वर्णपान । सिन्म मञ्जानभाषिक न सास वानित्व। (अहिनि (महेचि उहानिक विद्वा अहा कत शानिकार्ट्यः षराउदेन्तिया। मानाबाज कार्यक्रह কান্দিয়ার। ভাষতাল করতার স্থানার্মার। ইতক্রি

मुलामा इस् (ब्राफामात्र । ब्राह्म सम्बद्ध साधिका हिम् उत्त ब ति। बाळाविक्ष्यम्या चाम्रायकेभातः। कविमहस्य नाव व्यति विचार्णान् । क्यम्बर्ह्स (म्याक्त्र व्यानास्ताः कृत्रः)। क्षत्रक्षि वाचे त्म निष्ठियात् । क्रिक्श्विष य व्यक्तिनामिका ভারে। বারেক রহমকরে কর্নাকরেক। বাল প্রনারের विवर्कतन क्रिका । एवं नका स्मानक वास गान्। एउन्हें न श्राहाति क्रांक महावाहेर्छ। इक् मक्तिन्। क्तिनान क्रिशान क्रिशान व व कि कर्ग क्ष्वत क्षित्र विशेश के के कि के कि कि विकासके माला यहाँ हमा। (वर्ट्स इन इन मिन्द्र के प्राप्त करण क्रिकी ब्राक्त (भावान विकास उन्द्र गुर्म । क्रानिकार परिणान र्मातक्षात्। हार्बिप्शि हायत्वावास सञ्च्य । (वर्ष्ट ब्रहा । এखना गठमप्त । यानियाकत्त्र (रूप) कान्यिहार ह वास । श्राप्तराहे एक एक एक भावा संश्राम । स्थाप्तर हा निका (क्। छ। च व्यक्त पर्रिक्या। व्यक्तिया क्षेत्र छ। व व्यक्तिया। कालमानाहे (बड़ाई काथात पिपात । (क्वरप्याहरवस (बराव महोसदी मासिद्धिक कार्यामा (पत्र क्रांकिलम मासा। विकास काम्बाहरत्वाकान्ति । छोहेस्। । यागना व कर्वा व स्टार्ट्य । क्षियाक् । क्षित्रमान कालकु (मज् श्रीय मिन्नायाक कर । यह अ কালাম বেরা কহিয়াগেলায়।। ক্রিয়াপাওরকার জয়ন ল भावाध र वा बा तथा जिल्ला (जनगर श्रे क न्यू क के लि जिल्ला म क व्यामिनिक इसन धरिशास्त्र के कि व्याक के विकास कि व्यामिनिक कि विकास कि विकास कि विकास कि विकास कि विकास कि व क्रिया बाहेन बाधनाइ बद्रा बन्दर प्रत्यास्था माज्य हक् स्व क्षीम उत्सद्भारत वाभगायक इति। सम्मान वानमीन (कर्णा करवन वाक्नारे। जाना नर्देन भूथी बावकी हु नारे APVE A HE THE THE